भीम प्रज्ञा अलर्ट

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

'समय बहाकर ले जाता है नाम और निशान, लेकिन कदर करना सीख लीजिए, ना जिंदगी वापस आती है, ना लोग '।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-72 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 1 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

अतीत, वर्तमान और भविष्य का संतुलन ही जीवन की सच्ची समझ

मनुष्य का जीवन तीन कालखंडों–अतीत, वर्तमान और भविष्य–के बीच निरंतर चलता हुआ एक प्रवाह है। इनमें से कोई भी कालखंड अपने आप में पूर्ण नहीं है, बल्कि तीनों का संतुलन ही जीवन को दिशा, गहराई और अर्थ प्रदान करता है। आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धा से भरे समय में अक्सर या तो हम अतीत के बोझ में दबे रहते हैं या भविष्य की चिंता में वर्तमान को खो देते हैं। यही असंतुलन जीवन में तनाव, असंतोष और विफलता का कारण बनता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

अतीत हमारे लिए एक शिक्षक की तरह है। उसमें हमारे अनुभव, गलतियां, सफलताएं और असफलताएं सुरक्षित रहती हैं। जीवन में हुई गलतियान हमें यह सिखाती हैं कि कहां चूक हुई और आगे किस प्रकार सावधानी बरतनी चाहिए। अतीत को पूरी तरह भूल जाना भी बुद्धिमानी नहीं है और उसमें उलझे रहना भी विनाशकारी है। समझदारी इसी में है कि हम अतीत से सीख लें, पर उसे अपने वर्तमान पर हावी न होने दें। जो व्यक्ति अपनी पुरानी गलतियों को बार-बार याद कर आत्मग्लानि में जीता है, वह न तो वर्तमान का आनंद ले पाता है और न ही भविष्य के लिए आत्मविश्वास जुटा पाता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति अपनी हार को अनुभव मानकर आगे बढ़ता है, वही जीवन में वास्तविक प्रगति करता है। वर्तमान जीवन का सबसे मूल्यवान क्षण है, क्योंकि इसी पर हमारा वास्तविक नियंत्रण है। न अतीत को बदला जा सकता है और न भविष्य को पूरी तरह देखा जा सकता है, लेकिन वर्तमान को कर्मशील बनाना हमारे हाथ में है। आज का श्रम ही कल के फल का बीज होता है। यदि हम केवल भविष्य की योजनाएं बनाते रहें और आज के कार्य को टालते रहें, तो सफलता एक कल्पना बनकर रह जाती है। आलस्य और टालमटोल वर्तमान के सबसे बड़े शत्रु हैं। छोटे-छोटे लक्ष्य तय करके, निरंतर परिश्रम करते हुए आगे बढ़ना ही दीर्घकालिक सफलता की मजबूत नींव रखता है।

वर्तमान में जीने का अर्थ यह नहीं है कि हम भविष्य के बारे में न सोचें, बल्कि इसका अर्थ है कि भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आज सही कदम उठाएं। जब व्यक्ति अपने कार्य में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से लगा रहता है, तो उसका आत्मविश्वास स्वतः बढ़ता है। यही आत्मविश्वास उसे कठिन परिस्थितियों में भी डटे रहने की शक्ति देता है। वर्तमान में किया गया एक छोटा सा सकारात्मक प्रयास भी आने वाले समय में बड़े बदलाव का कारण बन सकता है। भविष्य आशा और संभावनाओं का प्रतीक है। भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण जीवन में ऊर्जा और प्रेरणा भरता है। जब हम यह विश्वास रखते हैं कि हमारी मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी, तो विपरीत परिस्थितियों में भी हमारा मनोबल बना रहता है। आशावादी व्यक्ति चुनौतियों को अवसर के रूप में देखता है, जबकि निराशावादी व्यक्ति हर अवसर में समस्या खोज लेता है। भविष्य पर विश्वास हमें जोखिम लेने, नए प्रयोग करने और अपनी सीमाओं को पार करने की शक्ति देता है। हालाँकि भविष्य की चिंता में वर्तमान को नष्ट करना भी उतना ही हानिकारक है। जो व्यक्ति हर समय आने वाले कल की आशंकाओं में उलझा रहता है, वह आज की खुशियों से वंचित रह जाता है। संतुलन यही है कि हम भविष्य के लिए योजनाएँ बनाएँ, लेकिन उन्हें पूरा करने का श्रम आज करें। भविष्य अपने आप उज्ज्वल नहीं होता, उसे आज की मेहनत से रोशन करना पड़ता है। इस प्रकार, खुशहाल और सफल जीवन का रहस्य अतीत, वर्तमान और भविष्य–तीनों के सही सामंजस्य में छिपा है। अतीत से सीख लेकर, वर्तमान में पूरी शक्ति और ईमानदारी से कार्य करते हुए, तथा भविष्य को लेकर आशान्वित रहते हुए ही जीवन में संतोष और समृद्धि आती है। जब हम पछतावे को छोड़ देते हैं, कर्म को अपनाते हैं और आशा का दामन थामे रहते हैं, तब जीवन केवल संघर्ष नहीं रह जाता, बल्कि एक सार्थक यात्रा बन जाता है। यही जीवन-दर्शन आज के मनुष्य के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

जयपुर में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट, दो की मौत

धमाके से एक युवक के चीथड़े उड़े; फैक्ट्री के टिनशेड के टुकड़े कॉलोनी में बिखरे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर

फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री के ऊपर का टिन शेड उड़ गया और एक दीवार गिर गई। सिलेंडर ब्लास्ट में काम कर रहे एक युवक के चीथड़े उड़

गए। मैनेजर समेत 2 घायलों को स्रू हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 1 व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही विश्वकर्मा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला है। सूचना पर दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंची। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, विश्वकर्मा के रोड नंबर 17 पर करणी विहार कॉलोनी में स्थित विल्सन क्रायो गैसेज फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर भरने का काम किया जाता है। शनिवार को शाम करीब 7:45 बजे सिलेंडर भरे जा रहे थे, तभी एक सिलेंडर फट गया।

फैक्ट्री के मैनेजर समेत 2 घायल

डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद ने बताया- हादसे में झारखंड निवासी मुन्ना राय की मौके पर ही मौत हो गई है। फैक्ट्री के मैनेजर विनोद गुप्ता (45) निवासी मुरलीपुरा (जयपुर) और शिबू उर्फ अनुवा निवासी झारखंड घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान विनोद गुप्ता की मौत हो गई। यह फैक्ट्री संतोष गुप्ता की है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

धमाके से घरों में दरारें, दुकानों के शटर टूटे

धमाके के कारण आसपास के इलाके में कुछ दुकानों के शटर टूट गए, वहीं कुछ मकानों में दरारें आ गईं। कई दुकानों के बाहर कांच के टुकड़े बिखरे पड़े थे। फैक्ट्री की सीमेंट की चादरें धमाके के कारण उड़कर 30 मीटर दूर कॉलोनी में घरों के बाहर जा गिरी।

बुजुर्गों और विधवा महिलाओं के हक पर डाका डाल रही है सरकार: सुमित बराड़

2100 प्रतिमाह का वादा जुमला साबित, ज़मीनी हकीकत बिल्कुल उलट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.भिवानी।

प्रदेश में बुजुर्गों और विधवा महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर सुनियोजित हमला किया जा रहा है। यह आरोप लगाते हुए सुमित बराड़ ने कहा कि हरियाणा सरकार साजिश के तहत बुढ़ापा और विधवा पेंशन को काटकर समाज के सबसे कमजोर वर्ग को भुखमरी और अपमान की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी के नाम पर मनमाने ढंग से हज़ारों पात्र लाभार्थियों की पेंशन बंद कर दी गई है। बिना किसी पूर्व सूचना, बिना सुनवाई और बिना पारदर्शी सत्यापन के बुजुर्गों और बेसहारा महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित करना न केवल अमानवीय है, बल्कि संविधान और सामाजिक न्याय की मूल भावना का घोर उल्लंघन है। सुमित बराड़ ने दो टूक कहा कि बुढ़ापा और विधवा पेंशन कोई सरकारी एहसान नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। तकनीकी खामियों, गलत डेटा एंट्री और अधूरे सत्यापन के बहाने पेंशन काटना सरकार की

संवेदनहीन और जनविरोधी सोच को उजागर करता है। आज हालात यह हैं कि बुजुर्ग दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं और विधवा महिलाएं अपनी आजीविका के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर भी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को रू2100 प्रतिमाह देने का ढिंढोरा पीटा गया, लेकिन हकीकत यह है कि कहीं पूरी राशि नहीं दी जा रही और कहीं जटिल शर्तों व अपात्रता के नाम पर महिलाओं को योजना से बाहर कर दिया गया है। इससे महिलाओं में गहरा आक्रोश, भ्रम और निराशा फैल रही है। सुमित बराड़ ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का फर्क है। आंकड़ों और झूठे दावों से जनता को गुमराह किया जा रहा है, जबकि असलियत में गरीब, बुजुर्ग और महिलाएं अपने हक के लिए तड़प रही हैं। उन्होंने मांग की कि गलत तरीके से काटी गई सभी बुढ़ापा और विधवा पेंशन तत्काल बहाल की जाएं। फैमिली आईडी में आय जोड़ने की प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए।

लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को बिना किसी शर्त रू2100 प्रतिमाह की पूरी राशि दी जाए। अंत में सुमित बराड़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने गरीब, बुजुर्ग और महिलाओं के अधिकारों के साथ यह खिलवाड़ बंद नहीं किया, तो इस अन्याय के खिलाफ संघर्ष सड़क पर पूरी ताकत से जारी रहेगा।

अपहरण और लूट के बाद दलित की हत्या, नदी में मिला शव, शव के साथ ग्रामीणों ने किया धरना-प्रदर्शन

बूंदी - दलित की हत्या कर शव नदी में फेंका , आभूषण भी हुए गायब।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बूंदी।

राकेश कुमार बैरवा । किशन गोपाल आत्मज कजोड़ जाति बैरवा निवासी जवाहर नगर तहसील एवं जिला बूंदी का रहने वाला था,? जो रात को लगभग 10:00 बजे अपनी दुकान को बंद करके घर पर सोया था लेकिन सुबह होने पर चारपाई पर नही दिखा तो परिवार व गांव वालों ने आसपास के घरों , तालाबों , खेतों में तलाशी की लेकिन नहीं मिला । जिसके बाद परिवार वाले व गांव वालों ने नमान थाना पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज करवा कर जब गांव लौट रहे थें तो गांव से 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित करजूना नदी के किनारे लास होने की सूचना मिली । जिसके बाद आसपास के गांव वाले व सभी लोग इकट्ठे होकर थाने को सूचना दी। पुलिस वालों ने ही मृत बॉडी को बाहर निकाला, उसके कानों में मूर्कीया, हाथों में चांदी के कड़े व गले में सोने का रावत पहन रखा था परंतु किशनगोपाल की बॉडी निकालने पर उसकी चांदी करीब 500 ग्राम व 2 तोले सोना का रावत भी गायब मिला। परिवार वालों का कहना है कि किशन गोपाल का अपहरण करके उसकी हत्या की गई है। मृतक किशन के परिवार व गांव वालों ने 3 मुख्य मांगों को लेकर शव के साथ धरना प्रदर्शन किया। पीड़ित परिवार की ओर से उन्होंने मांगे रखते हुए कहा कि मृतक के परिवार में से किसी एक को संविदा पर नौकरी, 20 लाख का आर्थिक सहायता, हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों को जल्दी से जल्दी गिरफ्तार करें। अन्त में पुलिस प्रशासन ने सभी मांगों को मान लिया गया और मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव घरवालों को सुपूर्द किया गया।

प्रभारी सचिव नवीन जैन का ग्राम उत्थान शिविरों का दौरा

आम जन तक पूरा लाभ पहुंचे इस मानसिकता से कार्य करें अधिकारी : नवीन जैन

मंड्रेला, मांजूओ की ढानी, पिपली व महपलवास में किया आमजन से संवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के प्रभारी सचिव नवीन जैन ने शनिवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने मंड्रेला, मांजूओ की ढानी, पिपली एवं महपालवास में शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में सभी विभागीय स्टॉल्स पर जाकर व्यवस्थाओं देखते हुए आवश्यक जानकारी ली और दिशा निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में योजनाओं के प्रभारी अधिकारी का नाम सभी विभागों को अंकित करने के निर्देश दिए ताकि आमजन विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि आमजन को सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ मिले अधिकारी इस मानसिकता के साथ कार्य करें। उन्होंने इस दौरान आम जन से भी संवाद करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी ली और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रभारी सचिन जैन ने मंड्रेला में 12 लाभार्थियों

को स्वामित्व कार्ड व पटा, पांच लाभार्थियों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर पांच उन्नत कृषि करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और सरकार किसान कल्याण योजना के तहत अल्पकालीन ऋण भी वितरित किया। इसी प्रकार प्रभारी सचिव ने पिपली में आठ स्वामित्व कार्ड व 13 कृषकों को प्रशस्ति पत्र तथा महपालवास में 12 स्वामित्व कार्ड व पट्टे वितरित किए। इस दौरान जिला परिषद सीईओ कैलाश यादव, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक राजेंद्र लांबा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, सहकारिता विभाग की संयुक्त रजिस्ट्रार विभा खेतान, सीसीबी एमडी संदीप शर्मा, संबंधित उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एग्रो बेस्ड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने व एग्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने के दिए सुझाव :

कृषक मुकेश मंजू निवासी पिलानी के फार्म हाउस के भ्रमण के दौरान प्रभारी सचिव द्वारा कृषक के फार्म पर खजूर, जैतून, बेर, चंदन, मौसमी आदि विभिन्न फल वृक्षों का निरीक्षण किया। फार्म पर गिर व साहीवाल नस्ल की गायों को देख कर वहा एग्रो बेस्ड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने व एग्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहन कर अनेक सुझाव दिए।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक शर्मा ने ली बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमकाथाना।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने शनिवार को नीम का थाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक अति आवश्यक बैठक ली। बैठक में सीकर जिले सहित जिले के सीमाओं से जुड़े हुए आठ जिला एसपी मौजूद थे।डीजीपी शर्मा ने बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश

दिए की जिले मे अपराध एंव नशाखोरी पर सख्तरूप से काम करना होगा। हाल ही में फिरौती मांगने वाले गिरोह का जल्द ही खुलासा करने पर एसपी सहित पूरी टीम की सराहना की है। जिले में बढ़ते हुए अपराध व फिरौती मांगने वाली गैंग पर सख्त कार्यवाही करने के लिये आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इससे बाद डीजीपी को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। डीजीपी शर्मा ने संगठित अपराध के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही,अवैंध मादक पदार्थो,सेंथिटिक ड्रग की धरपकड़ व तरस्करी,अवैंध शराब, साईबर क्राइम के विरुद्ध के प्रभावी कार्यवाही,संगठितअपराधी की निगरानी, बीट प्रणाली को मजबूत करने आदी के संबध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक मे एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वीके सिंह, जयपुर रैंज आईजी राघवेंद्र सुहासा, डीआई कुंवर राष्ट्रदीप, सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत सहित सात जिलो के पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना लोकेश मीणा सहित आला अधिकारी मौजूद थे।

उदयपुरवाटी में विशाल हिंदू सम्मेलन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़

सुमेर मीणा / उदयपुरवाटी। शहर में पांच बत्ती के निकट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में रविवार को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन होगा। इसमें प्रातः 9:00 बजे समरसता यज्ञ होगा 10:15 से त्रिवेणी कलश यात्रा का प्रारंभ होगी जो शाकंभरी गेट में ठाकुर जी के मंदिर से भूरीकुड़ी गायत्री मंदिर से व केशवराय जी के मंदिर से प्रारंभ होगी जिन तीनों का संगम पुरानी सब्जी मंडी के चौराहे पर होगा। 11:00 राष्ट्रीय कवि प्रकाश माली के भजन व राष्ट्रीय गीतों रससवाधन प्रारंभ होगा । कार्यक्रम का संचालन हास्य कवि हरीश हिंदुस्तानी के द्वारा किया जाएगा।

दिव्यांग विद्यार्थियों के एक्सपोज़र विज़िट दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

ब्लॉक में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं के एक्सपोज़र विज़िट दल को संदर्भ व्यक्ति सुरेश कुमार भास्कर व ब्लॉक कॉर्डिनेटर रणवीर गढ़वाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रिसोर्स पर्सन सुरेश कुमार भास्कर ने बताया कि दिव्यंगजनो के साथ साथ उनके अभिभावकों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया। विशेष शिक्षक भूपेंद्र राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धोलपालिया जोहड़ा बच्चों के मार्गदर्शक के बतौर एवं अभिभावक प्रतिनिधित्व के रूप में ज्योत व आरूषि मानसीआदि प्रतिभगी रहें। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विधाधर शर्मा ने एक्सपोज़र विज़िट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश देकर सावचेत किया।इस मौके पर विशेष शिक्षक नवीन कुमार एवं शिक्षक श्रीचंद ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

यह आग की झील है। इसका पानी इस्तेमाल करना तो दूर, यहां खड़े होने के बारे में भी सोच नहीं सकते? अगर आपने छलांग लगाई तो जलकर खाक हो जाएंगे।

आग का दरिया है यह झील

दोस्तों, तुमने बहुत-सी अनोखी और प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर नदियों के बारे में सुना होगा। हो सकता है देखा भी हो। बहुत-सी नदियों के नीले साफ पानी में आपने अपने परिवार और दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भी की होगी। करें भी क्यों न नदियों का ठंडा नीला पानी सभी को लुभाता है। इसके ठंडे पानी में घुटनों तक खड़े होकर दूर आसमान को निहारने का लुत्फ अलग ही होता है। पहाड़ी इलाकों में तो नदियों का पानी इस कदर साफ होता है कि लोग हर काम के लिए इन्हीं के जल पर निर्भर होते हैं। यहां तक कि उन्हें इस पानी को पीने में कोई गुरेज नहीं होता। लेकिन क्या आप एक ऐसी नदी के बारे में जानते हैं, जहां का पानी इस्तेमाल करना तो दूर, आप वहां खड़े होने के बारे में भी सोच नहीं सकते? अगर आपने ऐसा करने की हिमाकत की तो आप जलकर खाक हो जाएंगे।

जी हां, अमूमन सागर और झीलों को ठंडक देने के लिए जाना जाता है लेकिन तंजानिया में स्थित नेटरोन झील ठंडे पानी की बजाय अपने तापमान को लेकर पूरे विश्व में मशहूर है। केन्या बॉर्डर से लगती इस झील का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता है और इसके पानी में सोडा और नमक की मात्रा भी काफी अधिक है। इसीलिए इसे जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। बहुत अधिक गर्म होने के कारण यहां पर एक बार छलांग लगाने वाला जीव सख्त पत्थर में परिवर्तित हो जाता है। यहां तक कि अब भी इस झील और इसके आसपास ऐसे जीवों के पत्थरनुमा शरीर देखे जा सकते हैं। अपनी अद्वितीय जैव विविधता के कारण तंजानिया ने 4 जुलाई, 2001 को इस झील को रामसर लिस्ट में शामिल किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खासा महत्व रखती है।

10 फुट से भी कम गहराई

इस झील का जल स्तर काफी कम है। यह लगभग तीन मीटर अर्थात 9.8 फुट से भी कम गहरी है। झील के आसपास का क्षेत्र सूखा है हालांकि यहां अनियमित मौसमी वर्षा भी होती है। अमूमन झील का रंग उच्च वाष्पीकरण दरों द्वारा निर्धारित होता है। जब गर्मी के मौसम में झील का पानी भाप बन जाता है और झील पूरी तरह सूख जाती है, तब झील में केवल नमक ही शेष बचता है। ऐसे में, नमक से प्रेम करने वाले सूक्ष्मजीव वहां पनपने लगते हैं। यह सूक्ष्म जीव भी पौधों की भांति प्रकाश संश्लेषण द्वारा अपना भोजन स्वयं बनाने में सक्षम होते हैं। इन सूक्ष्मजीवों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया के कारण झील का रंग लाल और कहीं-कहीं नारंगी भी होता है तथा सतह पर क्षार नमक और सूक्ष्मजीवों के कारण इसका रंग गुलाबी और लाल पाया जाता है। साथ ही नमक, दलदल और ताजा पानी झील के आसपास विभिन्न किस्म के पौधों को उगने के लिए समर्थन करते हैं।

अब आया नया खतरा

अब तक जहां सिर्फ इसका तापमान ही जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए खतरे का कारण था, वहीं अब झील पर भी एक नया खतरा मंडरा रहा है। यह नया खतरा उसके किनारे पर सोडा राख संयंत्र का प्रस्तावित विकास है। इस संयंत्र द्वारा झील से पानी पंप करके सोडियम कार्बोनेट निकाला जाएगा, जिससे निर्यात करने के लिए वाशिंग पाउडर बनाया जाएगा। संयंत्र के साथ 1,000 से अधिक कार्यकर्ताओं और एक कोयला आधारित पावर स्टेशन के लिए संयंत्र परिसर में ऊर्जा प्रदान करने के लिए आधार भी बनेगा। साथ ही यह भी संभावना जताई जा रही है कि निकासी की क्षमता बढ़ाने के लिए डेवलपर्स वहां एक हाइब्रिड ब्रान शिम्प अर्थात संकर नमकीन शिम्प की शुरुआत करेंगे। इस संयंत्र से झील को कितना नुकसान होता है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

मूर्खता से जन्मा अक्ल का पुतला

काफी पुरानी बात है। एक सहृदय बालक था। उसकी आयु लगभग 10 वर्ष थी। उस बालक को इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों और जानवरों से भी प्यार था। उसके पास कुत्ते थे। बालक कुत्तों का ध्यान रखता था और अक्सर उनके साथ खेलता भी था।

बालक का मित्र कुत्तों को कम बिल्लियों को अधिक पसंद करता था। एक बार दोनों में कुत्ते और बिल्ली पर बात हुई। मित्र की बिल्ली पर दी गई दलीलों से प्रभावित होकर बालक ने एक बिल्ली को पालने का निश्चय किया और मित्र से कहा, ''तू मुझे एक अच्छी-सी बिल्ली लाकर दे।''

अगले दिन मित्र ने उसे एक बिल्ली लाकर दे दी। बालक बिल्ली को ठीक से पालने लगा। लगभग छह महीने बाद बिल्ली ने दो स्वस्थ और सुंदर बच्चों को जन्म दिया। बिल्ली के बच्चे उस बालक को बड़े अच्छे लगे। वह उनके साथ भी खेलने लगा। एक रात बरसात पड़ने लगी। बच्चे और बिल्ली भीगने लगे तो बिल्ली घर के दरवाजे पर पंजे मारते हुए मिमियाने लगे। बालक ने उठकर दरवाजा खोला तो बच्चे और बिल्ली अंदर आ गए।

बालक ने कपड़े से उनके शरीर पोंछे और कपड़ों में लपेटकर बिठाया। रात को किसी समय बिल्ली दरवाजे के पास खड़े होकर बाहर जाने की कोशिश में फिर मिमियाने लगी। बालक ने दरवाजा खोला तो वे तीनों बाहर चले गए। बालक दरवाजा बंद कर अपने बिस्तर में घुस गया। कुछ ही क्षणों बाद दरवाजे पर बिल्ली की दस्तक सुनाई पड़ी तो बालक ने दरवाजा खोला। तीनों अंदर आए और पहले के स्थान पर बैठ गए। बालक भी दरवाजा बंद कर अपने बिस्तर में सो गया। रात में बिल्ली के मिमियाने से फिर उसकी आंख खुली। देखा, वह बाहर जाना चाहती थी। उसने फिर दरवाजा खोला। तीनों प्राणी बाहर चले गए। कुछ देर बाद वे पुनः लौटे। इस बार-बार की आवाजाही से बालक तंग हो गया। सुबह उसने एक बढ़ई को बुलाया और उसे बताया कि इस दरवाजे की लकड़ी के नीचे की ओर दो छोटे-बड़े छेद बना दो ताकि बड़े छेद से बिल्ली और छोटे छेद से बच्चे आ-जा सकें। बढ़ई को बालक की बात सुनकर हंसी आ गई। उसने कहा, ''बाबू, दो छेद का इसके लिए क्या काम? जिस छेद से बिल्ली आए-जाएगी वही बच्चों के लिए भी काम आ जाएगा।''

बालक ने किंचित आश्चर्य से पूछा, ''ऐसा कैसे संभव है। बिल्ली के लिए बड़ा छेद चाहिए और बच्चों के लिए छोटा। ऐसे में एक छेद दोनों के काम कैसे आएगा?''

बढ़ई बालक की अल्प बुद्धि पर फिर हंसा। उसने कहा, ''रुको, बिल्ली के लिए एक छेद बनाने दो। फिर खुद ही देख लेना।''

बढ़ई ने अपने थैले से आरी और दूसरे औजार निकाले और काम शुरू कर दिया। कुछ ही मिनट में उसने ऐसा एक गोल छेद बना दिया जिससे बिल्ली आसानी से आ-जा सके। बिल्ली वहीं पास ही बच्चों के साथ घूम रही थी। बढ़ई ने बालक से कहा, ''अब बिल्ली को पकड़ो और इस छेद से अंदर पहुंचा दो।''

बालक ने बिल्ली को पकड़ कर दरवाजे तक पहुंचाया तो बच्चे भी पीछे-पीछे वहां तक आ गए। जैसे ही बिल्ली छेद से भीतर गई, बच्चे खुद-ब-खुद उस छेद से होकर अंदर चले गए। बालक को थोड़ी हैरत हुई। वह सोचने लगा कि वह कितना मूर्ख है। जरा-सी बात उसके दिमाग में क्यों नहीं आई। बढ़ई चुपचाप उसे सोचते हुए देखकर मुस्कुरा रहा था।

यह दस-ग्यारह वर्षीय बालक बड़ा होकर अक्ल का पुतला साबित हुआ। इसे हम वैज्ञानिक और गणितज्ञ आइजक न्यूटन के नाम से जानते हैं। इनकी विलक्षण प्रतिभा के कारण ही इन्हें 'सर' की उपाधि प्रदान की गई।

गजब है ये दुनिया

दुनिया में जीव-जंतुओं की करीब 78 लाख प्रजातियां हैं, जिनमें से बहुतों के बारे में तो कुछ खास जानकारी हमारे पास नहीं हैं। लेकिन जिनके बारे में हमें पता है, उनमें से हर जीव की अपनी एक खासियत होती है। आओ, आज तुम्हें कुछ जीवों के बारे में मजेदार बातें बताते हैं

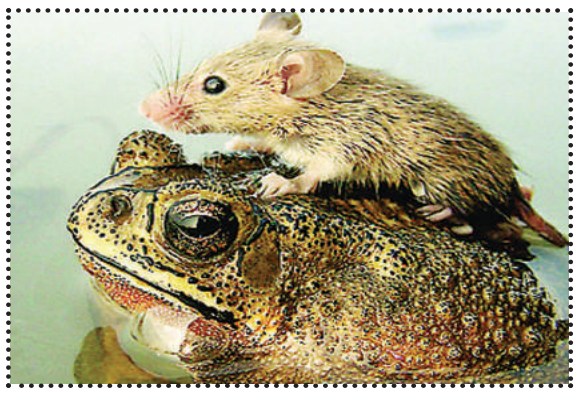

>>>> दुनिया का सबसे बड़ा जीव ब्लू व्हेल है। इसकी लंबाई करीब 100 फुट और वजन कम से कम 125 टन होता है। यानी इसका वजन करीब चार बड़े डायनासोर या 23 हाथी या 230 गायों या 1800 आदमियों के बराबर होता है।

>>>> तुमने अंग्रेजी की यह कहावत सुनी होगी- 'इट्स रेनिंग कैट्स एंड डॉग्स'। वैसे कुत्तों और बिल्लियों की बारिश तो अब तक कहीं देखी नहीं गई है, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में मछलियों, मेंढकों, मृत पक्षियों, सांपों, घोंघों (स्नेल), झींगुरों, कीड़ों और जेली फिश की बारिश के मामले जरूर देखने को मिले हैं।

>>>> कई प्राणी अपने शरीर से प्रकाश पैदा करते हैं। इसे 'बायोलुमिनेसेंस' कहते हैं। ब्राजील में पाए जाने वाले 'रेलरोड वर्म' के सिर पर रेड लाइट होती है और नीचे की ओर ग्रीन लाइटें होती हैं।

>>>> दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी 'पेरग्रिन फॉल्कन' है। यह 168 मील (270 किलोमीटर) प्रति घंटा से लेकर 217 मील (349 किलोमीटर) प्रति घंटा तक की गति से उड़ सकता है।

>>>> घड़ियाल (एलिगेटर) के बारे में एक मजेदार बात यह है कि अगर अंडा देने की जगह का तापमान (टेम्परेचर) 90 से 93 डिग्री है तो अंडे से नर (मेल) बच्चा निकलेगा और अगर तापमान 82 से 86 डिग्री होगा तो अंडे से मादा (फीमेल) बच्चा निकलेगा।

>>>> मेरियन कछुए (150 साल), फिन व्हेल (113 साल) और गहरे समुद्र में पाई जाने वाली क्लैम यानी डीप-सी क्लैम (100 साल) सबसे ज्यादा वर्षों तक जीवित रहने वाले जीव हैं।

>>>> गाय खड़े-खड़े भी सो सकती है।

>>>> कुछ मेंढक अपनी आंखों को अपने गले में खींच लेते हैं और उसकी मदद से खाने को अंदर धकेल लेते हैं।

>>>> एक वयस्क अफ्रीकन हाथी एक दिन में 600 पाउंड भोजन खाता है, जो उसके शरीर के वजन का चार प्रतिशत होता है।

>>>> दुनिया की सबसे छोटी मछलियां फिलीपींस की पिग्मी गोबी और लूजन गोबी हैं। पूरी तरह बढ़ जाने के बाद भी इनकी लंबाई केवल एक से डेढ़ सेंटीमीटर ही होती है।

>>>> आदमी के बाद औजारों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल चिम्पांजी करते हैं।

>>>> मैंड्रिल लंगूर की नाक लाल, गाल नीले और दाढ़ी नारंगी होती है।

>>>> हमिंगबर्ड अपने पंखों को एक सेकेंड में 50 से 70 बार तक फड़फड़ा सकती है।

>>>> जब ऑक्टोपस को गुस्सा आता है तो ब्लैक इंक जैसी बौछारें छोड़ता है।

>>>> पूरी दुनिया में 100 अरब (बिलियन) पक्षी हैं, जिनमें से 6 अरब अकेले अमेरिका में पाए जाते हैं।

>>>> ऑस्ट्रेलिया के तटों (कोस्ट) के पास रहने वाली स्टोनफिश दुनिया की सबसे जहरीली मछली है।

>>>> ज्यादातर अफ्रीका में पाया जाने वाला काली गर्दन वाला कोबरा सांप अपना जहर अपने शिकार की आंखों में उगलता है, जिससे उसका शिकार अंधा हो जाता है।

>>>> सप्तर्षि पक्षी (डिपर बर्ड) अपना घोंसला झरनों के पीछे बनाता है, ताकि वह सुरक्षित रह सके।

>>>> नीलकंठ (ब्ल्यू जे) पक्षी अक्सर यह भूल जाता है कि जाड़े के मौसम के लिए अपना खाना कहां छुपा रखा है।

>>>> कुछ बत्तखें (डक) और कलहंस (गूस) एक दिन में 330 मील यानी करीब 530 किलोमीटर तक उड़ सकते हैं।

>>>> लंग फिश पानी के बाहर भी चार साल तक जिंदा रह सकती है।

>>>> सालामैंडर नाक से नहीं, अपनी त्वचा (स्किन) से सांस लेते हैं।

>>>> कुछ मछलियों की आंखों का आकार उनके पेट के बराबर होता है।

>>>> एक ओकापी (इसे जंगली जिराफ या जेब्रा जिराफ के नाम से भी जाना जाता है) की जीभ 17 इंच तक लंबी हो सकती है।

>>>> एक उल्लू की आंखें उसके दिमाग से बड़ी होती हैं।

>>>> जिराफ की जीभ काली होती है।

>>>> बिल्ली के दोनों कानों में 32-32 नसें होती हैं।

>>>> मधुमक्खियों के बाल उनकी आंखों पर होते हैं।

कुष्ठ रोगियों के साथ भेदभाव खत्म करें, गरिमा सुनिश्चित करें : डीसी अभिषेक मीणा

13 फरवरी तक चलाया जाएगा 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान'

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेशभर 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान' 13 फरवरी तक चलाया जाएगा। डीसी ने नागरिकों से आह्वान किया कि कुष्ठ रोगियों के साथ भेदभाव खत्म करें तथा उनकी गरिमा सुनिश्चित करें। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान' वर्ष 2017 से हर साल राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। हर साल, केंद्र सरकार इस अभियान के लिए एक खास थीम तय करती है। वर्ष 2026 की थीम 'भेदभाव खत्म करें, गरिमा सुनिश्चित करें' है। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग के बारे में सही जानकारी की कमी के कारण, समाज में इस बीमारी के बारे में कई

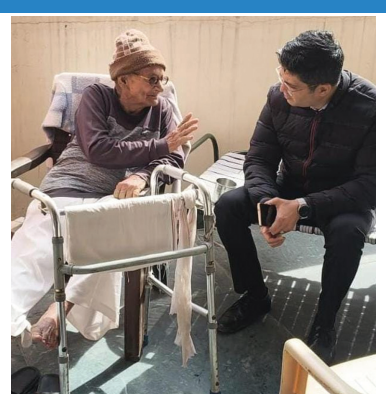

गलतफहमियां अभी भी मौजूद हैं। इन गलतफहमियों को दूर करने और जागरूकता फैलाने के लिए 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान' 13 फरवरी 2026 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करना और किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकना है।

डीसी ने बताया कि कुष्ठ रोग एक आम बीमारी है। यह बैक्टीरिया (माइकोबैक्टीरियम) के कारण होती है जो मुख्य रूप से त्वचा और नसों को प्रभावित करती है। यह सबसे कम संक्रामक बीमारियों में से एक है। यह आम सर्दी और खांसी से भी कम संक्रामक है। यह किसी भी उम्र के पुरुष या महिला को प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है और दिव्यांगता का कारण बन सकती है। हालांकि, अगर इलाज समय पर शुरू हो जाए, तो संक्रमण के फैलने को रोका जा सकता है। डीसी ने बताया कि कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति पूरी तरह से सामान्य जीवन जी सकता है। अगर शुरुआती चरण में पता चल जाए, तो मल्टी-ड्रग थेरेपी से कुष्ठ रोग को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। यह बीमारी 6 से 12 महीने के इलाज से पूरी तरह ठीक हो जाती है। हरियाणा के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में इसका मुफ्त इलाज उपलब्ध है। इस बीमारी से ग्रस्त जिन लोगों ने इलाज पूरा कर लिया है वे अपने परिवारों के साथ सामान्य जीवन जी रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार का आने वाले सालों में हरियाणा को कुष्ठ रोग-मुक्त बनाने का लक्ष्य है। डीसी ने जिला के नागरिकों से आह्वान किया कि वे कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करें। इस बीमारी से प्रभावित लोगों के साथ भेदभाव खत्म करें और यह सुनिश्चित करें कि उनके साथ सम्मान से पेश आया जाए।

झूंथाहेड़ा खुर्द के सुड्डा दंगल समापन में उमड़ा जनसैलाब

परंपराएं ही हमारी सांस्कृतिक पहचान की असली ताकत-विधायक राजेन्द्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झूंथाहेड़ा खुर्द में आयोजित दो दिवसीय विशाल सुड्डा दंगल का समापन समारोह शनिवार को पूरे उत्साह, गरिमा और पारंपरिक रंग में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर महवा विधायक राजेन्द्र मीना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही ग्रामीणों, क्षेत्र के पंच-पटैलों एवं गणमान्य नागरिकों ने विधायक का भव्य स्वागत-सत्कार किया, जिस पर विधायक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि ऐसे पारंपरिक, धार्मिक और लोकआधारित आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को जीवित रखते हैं।

सुड्डा दंगल जैसे आयोजन केवल खेल या उत्सव नहीं, बल्कि अनुशासन, आस्था और सामूहिक एकता का जीवंत उदाहरण हैं, जिनसे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आयोजन समिति और समस्त ग्रामवासियों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत-सत्कार के लिए मंच से कोटि-कोटि धन्यवाद देते हुए हृदय से आभार प्रकट किया। समापन समारोह के दौरान झूंथाहेड़ा खुर्द के पंच-पटैल, सामाजिक प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सोफिया स्कूल व कुश वोरियर क्लब फाइनल में

प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को होगा फाइनल मुकाबला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राज्य सरकार की पंच गौरव योजना के अंतर्गत शनिवार को स्वर्ण जयंती स्टेडियम में जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता (बालक वर्ग) का आयोजन किया गया। जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी दर्शन सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता राष्ट्रीय खिलाड़ी कर्नल जीसुखराम ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव डॉ. सुशील यादव उपस्थित रहें। प्रतियोगिता में जिले की कुल 13 टीमों ने भाग लिया । प्रतियोगिता का पहला मुकाबला सोफिया स्कूल खेतड़ी नगर और सीएलसी चंद्रपुरा झुंझुनूं के बीच खेला गया, जिसमें सोफिया स्कूल ने 19-4 के स्कोर से जीत दर्ज की। पहला सेमीफाइनल सोफिया स्कूल खेतड़ी नगर और

झुझार क्लब गुढ़ागौड़जी के बीच हुआ, जिसमें सोफिया स्कूल ने 40-27 से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में केंद्रीय विद्यालय झुंझुनूं और कुश वोरियर क्लब झुंझुनूं आमने-सामने रहे, जिसमें कुश वोरियर क्लब ने 54-42 से विजय प्राप्त की। फाइनल मुकाबला 1 फरवरी को सोफिया स्कूल खेतड़ी नगर और कुश वोरियर क्लब झुंझुनूं के बीच खेला जाएगा। साथ ही जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) का आयोजन भी किया जाएगा। रविवार को होने वाले समापन समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक राजेंद्र भांबू व पूर्व जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी होंगी। इस अवसर पर विकास भामू (प्रशासनिक अधिकारी, सांख्यिकी विभाग), प्रमोद पूनिया, प्रशिक्षक आजाद सिंह, विजेंद्र सिंह राव, लव कुमार जोशी, विजेंद्र बिजारणिया, राजबाला, मालीराम ओला, अनिल भाकर, मुखराम डांगी, सुनील कुमार, भागीरथ शर्मा, महिपाल, राजेंद्र प्रसाद, सुमित कुल्हरी सहित अनेक खेल प्रेमी उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका विनोद शर्मा, विनय चौधरी, तुषार महला, रमेंद्र सिंह, मयंक चौधरी, संगीता व संजना ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन विजय हिंद जालमपुरिया ने किया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन समारोह जिला परिषद सभागार में आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

जिला परिषद सभागार, सीकर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीकर रतनलाल रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह, पुलिस उप अधीक्षक संदीप सिंह, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग जेपी यादव, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह, उद्योग नगर थाना अधिकारी राजेश बुडानिया, ट्रैफिक प्रभारी कृष्ण धनखड़, सहायक निदेशक जनसंपर्क पूरणमल, समन्वयक राकेश लाटा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी ताराचंद बंजारा ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सड़क सुरक्षा माह के दौरान आयोजित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए माह की थीम 'तकनीकी से परिवर्तन' के प्रति आमजन को जागरूक किया।

समापन समारोह में सीकर जिले के 12 ब्लॉकों से चयनित लगभग 200 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों का चयन विद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के पश्चात ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया। विद्यार्थियों के साथ आए समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को हेलमेट प्रदान कर सड़क सुरक्षा अग्रदूत बनाया गया। कार्यक्रम में राजेश सालवी एवं उनकी पार्टी द्वारा सड़क सुरक्षा गीतों पर भवाई नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थितजनों ने सराहा। सड़क सुरक्षा माह के दौरान आयोजित नेत्र जांच शिविर में सेवाएं देने वाले 11 चिकित्सकों, पुलिस कार्मिकों एवं टोल कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोटर व्हीकल अधिनियम की पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही समस्त अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी मोटर व्हीकल अधिनियम की पुस्तक भेंट कर स्वागत किया गया। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को नववर्ष डायरी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने विद्यार्थियों के साथ सड़क सुरक्षा विषय पर प्रश्नोत्तर करते हुए दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतनलाल ने माह के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए विभाग को प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर गंगा ग्रुप सीकर के सुरेश सामोता द्वारा विद्यार्थियों के लिए 200 ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी तथा जामू मोटर्स के प्रदीप जैन द्वारा मोटर व्हीकल अधिनियम की 30 पुस्तकें भेंट की गईं। कार्यक्रम में केटीएम मोटर्स सीकर की संगीता जांगिड, देव हीरो की संगीता रुलानिया, गंगा ग्रुप के सुरेंद्र बेनीवाल, भीम जोशी सहित परिवहन विभाग के कार्मिक भरत सिंह, कृष्ण कुमार, अनिल कुमार, अमित कुमार, देवेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में जिला परिवहन अधिकारी ताराचंद बंजारा द्वारा समस्त आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी जार्जिया ने सीकर के सुनिल कुमार सैनी को प्रदान की डाक्ट्रेट की उपाधि

बिजनेस मैनेजमेंट व रियल एस्टेट डेवलपिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर जार्जिया डिजिटल यूनिवर्सिटी यूएसए ने प्रदान किया डाक्ट्रेट अवार्ड

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी जार्जिया डिजिटल यूनिवर्सिटी यूएसए की ओर से आनिया ग्रुप के डायरेक्टर व शेखावाटी अंचल के जाने-माने बिल्डर व रियल एस्टेट बिजनेसमैन राधाकिशनपुरा सीकर निवासी सुनिल कुमार सैनी को डाक्ट्रेट अवार्ड से सम्मानित किया है।

सैनी को डाक्ट्रेट की उपाधि बिजनेस मैनेजमेंट व रियल एस्टेट के क्षेत्र में हासिल की गई उल्लेखनीय उपलब्धि व उत्कृष्ट कार्य के लिए इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की ओर से प्रदान की गई। यूनिवर्सिटी की ओर से शुक्रवार को जयपुर में आयोजित समारोह में मिस इंडिया सिमरन आहूजा ने सैनी को डाक्ट्रेट अवार्ड प्रदान किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की ओर से देश भर के विभिन्न राज्यों की 25 विभूतियों को यह अवार्ड प्रदान किया गया । शेखावाटी अंचल से सैनी एक मात्र शख्सियत रही जिन्हें डाक्ट्रेट अवार्ड से नवाजा गया। इस अवसर पर राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, उड़ीसा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों के चयनित 25 शख्सियतों को मिस इंडिया सिमरन आहूजा ने अवार्ड प्रदान किया। यूनिवर्सिटी की ओर से बिजनेस मैनेजमेंट व रियल एस्टेट, समाजसेवा, शिक्षा आदि के क्षेत्रों

में अनुकरणीय कार्य करने वाली विभूतियों को यह अवार्ड प्रदान किया जाता है। वर्ष 2026 के लिए करीब अढ़ाई हजार लोगों का सर्वे यूनिवर्सिटी की टीम ने भारत आकर किया गया था। जिनमें सैनी का चयन बिजनेस मैनेजमेंट व रियल एस्टेट के लिए किया जाकर अवार्ड प्रदान करते हुए डाक्ट्रेट की उपाधि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि सैनी की कंपनी आनिया रेजिडेंसी राजस्थान के अनेक जिलों में रियल एस्टेट व प्रोपर्टी का बड़े स्तर पर कारोबार कर रही है । सैनी को डाक्ट्रेट अवार्ड से सम्मानित होने पर प्रोपर्टी कारोबारियों, शुभचिंतकों सहयोगियों व समर्थकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

मंडावर में जांगिड समाज ने धूमधाम से मनाई विश्वकर्मा जयंती, भव्य शोभायात्रा से गूंजा शहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर में शनिवार को उपखंड क्षेत्र के जांगिड समाज द्वारा अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में भगवान विश्वकर्मा की जयंती श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ भव्य रूप से मनाई गई। आयोजन के तहत भगवान विश्वकर्मा की आकर्षक झांकी के साथ निकाली गई शोभायात्रा ने पूरे शहर को धार्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया। समाज अध्यक्ष सतीश जांगिड ने बताया कि शोभायात्रा की शुरुआत पेट्रोल पंप से हुई, जहां से बैंड-बाजों की मधुर धुनों के बीच समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष और बच्चे नाचते-गाते, जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। शोभायात्रा पेट्रोल पंप से पुराना बस स्टैंड, कपड़ा मार्केट, मुख्य बाजार, गांधी चौक और गढ़ रोड होते हुए गढ़ रोड स्थित बालाजी गार्डन पहुंची। मार्ग में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों ने

शोभायात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया और श्रद्धालुओं का अल्पाहार के साथ सत्कार किया। शहरवासियों ने भी शोभायात्रा के दर्शन कर भगवान विश्वकर्मा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। कार्यक्रम स्थल बालाजी गार्डन में समाज के पदाधिकारियों की मौजूदगी में सामूहिक रूप से भगवान विश्वकर्मा का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद आयोजित सामूहिक भोजन प्रसादी में समाज के लोगों ने सहभागिता कर आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दिया। आयोजन में जांगिड समाज अध्यक्ष सतीश जांगिड के साथ गंगासहाय जांगिड़, ओमप्रकाश जांगिड़, अमित जांगिड़ (परवैणी वाले), मुकेश, आनंद, देवेंद्र, नरेश सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

रवां गांव की लाडली बेटी पूजा जेवरिया ने किया नाम रोशन, MSTSE 4.0 में प्रथम स्थान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बनते हुए रवां गांव की होनहार बेटी पूजा जेवरिया ने MSTSE 4.0 फाउंडेशन द्वारा आयोजित फाउंडेशन टैलेंट कंपटीशन परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने गांव, तहसील और परिवार का नाम रोशन किया है। कक्षा 9वीं की छात्रा पूजा जेवरिया, पुत्री संजय जेवरिया (गांव स्वां, हाल निवासी सिंघाना) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इस सफलता पर आयोजित सम्मान समारोह में संस्था के निदेशक विशनाराम एवं मुख्य अतिथि द्वारा पूजा जेवरिया को 100 प्रतिशत स्कॉलरशिप, मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पूजा की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है। उल्लेखनीय है कि पूजा के पिता संजय जेवरिया सामुदायिक अस्पताल, सिंघाना में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता बृजेश जेवरिया शिमला में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर सेवाएं दे रही हैं। पूजा की सफलता का श्रेय उसके माता-पिता के मार्गदर्शन एवं कठिन परिश्रम को दिया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन, ग्रामीणों एवं परिचितों ने पूजा को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

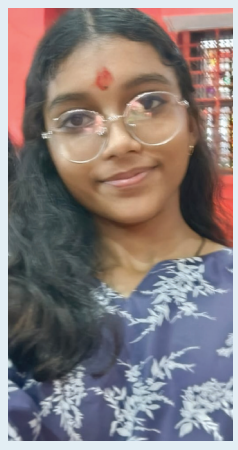

महात्मा ज्योतिबा छात्रावास स्थित मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा व श्रीराम स्तुति का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ स्थित मंदिर में शनिवार को सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ , श्रीराम स्तुति का सामूहिक वाचन हुआ। यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया कि छात्रावास में निर्मित मंदिर में मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अनवरत माह के प्रत्येक शनिवार शाम को सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ व श्रीराम स्तुति का वाचन किया जाता है तथा पाठ के बाद आरती कर प्रसाद का वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि

मंदिर में नियमित भोग व शनिवार को पाठ के अवसर पर भगवान को लगाएं जाने वाला प्रसाद समिति के पदाधिकारियों की ओर से ही लगाया जाता है।छात्रावास के मंदिर में शनिवार 31 जनवरी को आयोजित सामूहिक सुंदरकांड पाठ वाचन के अवसर पर समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी, बाबूलाल सैनी, संदीप कुमार, गोविंद, अंकित कुमार, युवराज, अनिल हेतमसर सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

दिव्य संत श्री रघुनाथ पीर का 38वां दो दिवसीय राज्यस्तरीय मेला 5-6 फरवरी को ढालोप में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पाली/देसूरी।

मेघवाल समाज के आराध्य जीवित समाधि पुरुष दिव्य संत श्री रघुनाथ पीर महाराज का 38वां दो दिवसीय विशाल राज्यस्तरीय मेला आगामी 5 व 6 फरवरी 2026 को पाली जिले की देसूरी तहसील के ग्राम ढालोप में आयोजित होगा। यह आयोजन अखिल राजस्थान मेघवाल समाज श्री रघुनाथ पीर आश्रम ट्रस्ट के तत्वावधान में किया जा रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष वदाराम बोस सोनाणा एवं सचिव सखाराम राठौड़ (श्रीसेला) ने बताया कि प्रतिवर्ष फाल्गुन वदी चतुर्थी व पंचमी को यह मेला श्री रघुनाथ पीर धाम के गादीपति पीर श्री बालकनाथ जी के सानिध्य में, समस्त मेघवाल समाज के सहयोग से आयोजित किया जाता है। आयोजन के तहत प्रथम दिवस रात्रि में भजन संध्या तथा द्वितीय दिवस दिनभर विशाल मेला आयोजित होगा। यह राज्यस्तरीय मेला है, जिसमें पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, अजमेर, जोधपुर सहित समस्त राजस्थान,

तथा गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और दिल्ली से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर दिव्य संत के प्रति अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि मेले के लिए आमंत्रण पत्रिकाएं छप चुकी हैं और अधिकांश क्षेत्रों में गांव-गांव वितरण किया जा चुका है, शेष वितरण कार्य प्रगति पर है।अध्यक्ष वदाराम बोस सोनाणा ने बताया कि तत्कालीन विधायक श्रीमती लक्ष्मी बारुपाल द्वारा विधायक कोष से राशि स्वीकृत कर श्री रघुनाथ पीर रंगमंच का निर्माण करवाया गया था, जहां प्रतिवर्ष भक्ति संध्या सहित मेला आयोजित होता है। भजन कलाकारों द्वारा संत श्री रघुनाथ पीर महाराज की जीवन गाथा प्रस्तुत की जाती है। कथा के अनुसार, संत श्री रघुनाथ पीर ने लगभग एक हजार वर्ष पूर्व ढालोप गांव में धूणी रमाकर कठोर तपस्या की थी, जिससे उन्हें अनेक सिद्धियां प्राप्त हुईं। मान्यताओं के अनुसार श्री रघुनाथ पीर को मेघवाल समाज के साथ-साथ सभी जाति-धर्मों के लोग गहरे आदर-सम्मान से मानते हैं। उनके परोपकारी कार्यों से प्रभावित होकर तत्कालीन घाणेराव रियासत के रियासतदार स्वयं शाही लवाजमे के साथ ढालोप पहुंचे थे। कहा जाता है कि उस समय संत ने अपनी कुटिया की दीवार (स्थानीय भाषा में चांदा) पर बैठकर उसे आदेश दिया और वह निर्जीव दीवार आगे बढ़ने लगी–जो उनकी सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसी प्रकार, राजसमंद जिले की जरगा जी पहाड़ी पर शिवरात्रि के अवसर पर जलधारा (गंगा) के आव्हान की परंपरा तथा उनके शिष्य दिव्य संत श्री देवीदास जी महाराज द्वारा मोहीवाड़ा (जालोर) में बिना बैलों की बैलगाड़ी चलाने की कथाएं भी लोकमान्यताओं में प्रचलित हैं। आज भी ढालोप धाम पर श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होने की गहरी आस्था है। ट्रस्ट ने समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर मेले को सफल बनाने की अपील की है।

फेयरवेल विदाई कार्यक्रम; आयुषी ने जीता मिस फेयरवेल प्रतियोगिता का खिताब, दिव्या जांगिड़ रही हुई रनर अप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे में स्थित श्री सनातन धर्म पंचायत उच्च माध्यमिक विद्यालय में फेयरवेल ओर विदाई पार्टी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर जूनियर्स ने सीनियर्स की 12वीं कक्षा के बच्चों को विदाई दी गई। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन ओर गणेश वंदना के साथ किया गया। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न प्रकार के खेलों का भी आयोजन किया गया जिसमे छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अपनी अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मिस फेयरवेल प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें आयुषी ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए खिताब अपने नाम किया। वहीं दिव्या जागिड़ रनर अप रही।इसी प्रकार छात्र वर्ग में कपिल कुमावत मिस्टर फेयरवेल बने। अरुण जांगिड़ और सुमित कुमार रनर अप रहे । इस दौरान बच्चों को कैटवॉक के साथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया।7यशराज विज्ञान प्रश्नोत्तरी में प्रथम रहा। साड़ी पहनो में शाइस्ता निशा और खुशबू प्रथम द्वितीय रही।पगड़ी बांधों प्रतियोगिता में विकास उमेश आर्यन हरीश ने विशेष स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य विद्या पुरोहित ने सभी बच्चों को उज्जवल भविष्य की बधाइयां दी। कार्यक्रम के निर्णायक की भूमिका सोनिया और अतिका शर्मा ने निभाई। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ विद्यार्थी ओर उनके अभिभावक भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन दया और चंचल जोशी ने किया।

टोहाना पुलिस की बडी कार्यवाही-ट्रैक्टर लोन के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में तीसरा आरोपी काबु

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ जैन,आईपीएस द्वारा अपराध और धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ट्रैक्टर फाइनेंस के नाम पर किसान के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उप-निरीक्षक सादीराम ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित किसान रामप्रसाद, निवासी गांव इन्दाछोई ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि स्क्ष फाइनेंस कंपनी के एजेंटों और मैनेजर ने कम किस्तों पर नया ट्रैक्टर दिलाने का झांसा देकर उसके दस्तावेज और खाली चेक हासिल कर लिए थे। बाद में आरोपियों ने मिलीभगत कर पीड़ित के फर्जी हस्ताक्षर और दस्तावेजों का दुरुपयोग किया और सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी तोशाम से किसी अन्य व्यक्ति (अमित कुमार) के नाम पर ट्रैक्टर निकलवा लिया। जब पीड़ित को इसका पता चला और उसने विरोध किया, तो आरोपियों ने उसे जान से मारने धमकियां दीं। जो शिकायत पर थाना सदर टोहाना में मुकदमा संख्या 246 दिनांक. 03.11.2021, धारा 420/467/468/471/506/34 IPC के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस इस मामले में पहले ही दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।जांच को आगे बढ़ाते हुए, पुलिस टीम ने अब तीसरे आरोपी दिलबाग उर्फ काला पुत्र पृथ्वी सिंह, निवासी बधावड (बरवाला, हिसार) को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2000/- रुपये की नकदी बरामद की गई है। मामले की आगामी जांच जारी है। फतेहाबाद पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने बैंकिंग दस्तावेज, आधार कार्ड या खाली चेक साझा न करें। किसी भी प्रकार के वित्तीय प्रलोभन में आने से बचें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में दें।

ऋषिकुल स्कूल में कक्षा 12वीं का मंगलकामना समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

ऋषिकुल स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की विदाई के अवसर पर मंगलकामना समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की गई। समारोह के दौरान विद्यार्थियों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियाँ दी गई। संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आगामी परीक्षा में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं मेहनत के साथ बेहतर प्रदर्शन करने का संदेश दिया। इस अवसर पर मिस फेयरवेल का खिताब डिम्पल सोनी एवं मिस्टर फेयरवेल का खिताब रुद्राक्ष ढंड को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। संचालन जया शर्मा एवं गरिमा सैनी ने किया।

विराट हिन्दू सम्मेलन 2026 को लेकर निकली कलश यात्रा, आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित होने वाले 2026 के विराट हिन्दू सम्मेलन को लेकर शनिवार को स्टेशन मार्ग आदर्श विद्या मंदिर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम से पूर्व कलशयात्रा निकाली गई जो केडिया की बगीची से रवाना होकर मुरली मनोहर मन्दिर, चौपड़ बाजार, कबूतरिया कुआं, पकोड़ी प्याऊ, रामदेव मंदिर होते हुए कार्यक्रम स्थल आदर्श विद्या मंदिर पहूची जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ ।

आयोजित कार्यक्रम में सारनाथ आश्रम फतेहपुर के महंत रोशन नाथ महाराज ने अध्यक्षता की जबकि मुख्य वक्ता प्रितम सिंह थे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सेवानिवृत्त सीनियर नर्सिंग ओफिसर व लक्षमनगढ पिंजरापोल गौशाला समिति के सचिव सुशील कुमार जोशी मुख्य अतिथि थे जबकि संयोजक समिति के अध्यक्ष शिक्षाविद बालकृष्ण जोशी व्यवसायी सुरेश बाटू मंचस्थ अतिथि थे। इस अवसर पर प्राचार्य अशोक शर्मा, रतनलाल सैनी, गोविंद राम जांगिड़, राजकुमार खीरवेवाला, मुकेश पाराशर,प्रकाश शर्मा, पुरूषोत्तम मिश्रा, गोपाल जोशी, ओमप्रकाश जोशी, सुरेंद्र इंदौरिया, सुरेश बीबीपुरिया, कमल भूत, अरूणा पाराशर, रूपा बीबीपुरिया, अनुराधा टेलर, पुष्पा खेड़िया, निशा तोलानी, सुमन सैनी, बीणा शर्मा, खुशी, पुष्पा, सीमा, पूजा सैनी, सरिता सैन, पिंकी सैन, अमृता शर्मा, संध्या सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

डीएलएसए सचिव अमित वर्मा ने किया वृद्ध आश्रम का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी अमित वर्मा द्वारा वृद्ध आश्रम रेवाड़ी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सीजेएम अमित वर्मा ने वृद्धजनों की जरूरी सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने वृद्धजनों को मिलने वाले भोजन व अन्य जरूरी सुविधाओं की जांच की तथा उनको और बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के लिए भी कहा। इस दौरान अमित वर्मा ने वृद्ध महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया तथा साफ सफाई पर भी ध्यान देने को कहा। सचिव अमित वर्मा ने बताया कि वृद्ध व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से तो कमजोर होता ही है तथा उसकी सबसे बड़ी पीड़ा उसका अकेलापन होता है। इसलिए वृद्धजनों को समाज से अलग थलग न करें बल्कि उनको समाज का हिस्सा माने तथा उनको अहसास दिलाए की हम सब उनके साथ है वो अकेले नहीं हैं। उन्होंने सभी उपस्थित स्टाफ मेंबर को उचित दिशा निर्देश दिए ताकि वे बुजुर्गों का अच्छे से ख्याल रखें। इससे वृद्धजनों का अकेलापन भी दूर होगा तथा उनमें एक नई चेतना का संचार होगा। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने बुजुर्गों का सत्कार व उनकी संभाल करनी चाहिए, ताकि बुजुर्गों को जिंदगी के आखिरी पड़ाव में परिवार का सहारा मिल सके। यदि किसी कारणवंश वृद्ध आश्रम में बुजुर्ग रहने को मजबूर हैं तो उनकी वहां पर संभाल के लिए भी हम सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि लीगल एड द्वारा सीनियर सिटीजन, महिलाएं, बच्चो, अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों व तीन लाख से कम वार्षिक आय वाले सभी व्यक्तियों को निशुल्क में कानूनी सहायता दी जाती है और कोई भी जन कानूनी सहायता के लिए उप मंडल विधिक सेवा समिति या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकता है। इस मौके पर उन्होंने नालसा हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी बताया।

भीम प्रज्ञा कविता

बलाई समाज का विकास

बलाई होकर बलाई का,
आप सभी सम्मान करो।
सभी बलाई एक हमारे,
मत उसका नुकसान करो।
चाहे बलाई कोई भी हो,
मत उसका अपमान करो।
जो गरीब हो, अपना बलाई,
धन देकर धनवान करो।
हो गरीब बलाई की बेटी,
मिलकर कन्या दान करो।
अगर लड़े चुनाव बलाई,
एक होकर शत प्रतिशत मतदान करो।
हो बीमार कोई भी बलाई,
उसे रक्त का दान करो।
बिन घर के कोई मिले बलाई,
उसका खड़ा मकान करो।
अगर बलाई दिखे भूखा,
भोजन का इंतजाम करो।
अगर बलाई की हो फाईल,
शीघ्र काम श्रीमान करो।
बलाई की अटकी हो राशि,
शीघ्र आप भुगतान करो।
बलाई को अगर कोई सताये,
उसकी आप पहचान करो।
अगर जरूरत हो बलाई को,
घर जाकर श्रमदान करो।
अगर मुसीबत में हो बलाई,
फौरन मदद का काम करो।
अगर बलाई दिखे वस्त्र बिन,
उसे अंग वस्त्र का दान करो।
अगर बलाई दिखे उदास,
खुश करने का काम करो।
अगर बलाई घर पर आये,
तो आप उनका सम्मान करो।
हो गरीब बलाई का बेटा,
उसकी मदद तमाम करो।
बेटा गरीब बलाई का पढ़ता,
कापी पुस्तक दान करो।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया निवासी - टांकरडा, तह.-चौमूं,(जयपुर)

8 ग्रेनेडियर के लेफ्टिनेंट मयंक जनमेदा ने शहीद सूबेदार लियाकत अली पठान को दी श्रद्धांजलि, परिवार से की मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

खीरवा निवासी शहीद सूबेदार लियाकत अली पठान की शहादत को नमन करते हुए उनकी यूनिट 8 ग्रेनेडियर के लेफ्टिनेंट मयंक जनमेदा शनिवार को खीरवा पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले शहीद सूबेदार लियाकत अली पठान के स्मारक स्थल पर पहुंचकर पुष्पचक्र अर्पित किया और शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर यूनिट से आए ऑनरेरी कैप्टन जामीद खान एवं सूबेदार खुर्शीद अली ने भी स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र चढ़ाया। वहीं स्मारक स्थल पर उपस्थित युवाओं एवं ग्रामीणों ने भी शहीद को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पुष्पचक्र अर्पण के पश्चात सेना के प्रतिनिधि शहीद के घर पहुंचे, जहां उन्होंने शहीद वीरांगना राबिया बानो एवं शहीद पुत्र हवलदार इफ्तिखार पठान से मुलाकात कर उनका सम्मान किया और परिवार की कुशलक्षेम जानी। उल्लेखनीय है कि शहीद पुत्र हवलदार इफ्तिखार पठान वर्तमान में अपने पिता की ही यूनिट 8 ग्रेनेडियर में कार्यरत हैं और इस समय ग्लेशियर क्षेत्र में तैनात हैं। वहीं शहीद के बड़े पुत्र अरशद अयूब पठान सैनिक कल्याण विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। इस अवसर पर वीरांगना राबिया बानो भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि पति की शहादत के बाद उन्होंने दोनों बेटों को देशसेवा के लिए तैयार किया। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि शहादत के 25 वर्ष बाद भी सेना परिवार की देखरेख कर रही है, जिस पर उन्हें भारतीय सेना और ग्रेनेडियर परिवार पर पूरा फख्र है। उन्होंने यह भी बताया कि हर वर्ष शहीद पठान का परिवार यूनिट के रेजिंग डे पर यूनिट में शामिल होता है। शहीद सूबेदार लियाकत अली पठान की स्मृति आज भी क्षेत्रवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है।

6 से 8 फरवरी तक राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का कुरुक्षेत्र में किया जाएगा आयोजन

सर्वश्रेष्ठ पशुओं के पशुपालकों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया जाएगा सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया हरियाणा पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र में 06 फरवरी से 08 फरवरी, 2026 तक तीन दिवसीय 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में प्रदेशभर से लगभग 1500 उन्नत नस्ल के पशु विभिन्न श्रेणियों में भाग लेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उत्तम नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन कर नस्ल सुधार के लिए पशुपालकों को प्रेरित करना तथा दूध उत्पादन में वृद्धि कर किसानों की आय बढ़ाना है। उन्होंने विभाग के संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पशुपालकों से आग्रह करें कि वे अपने उत्तम नस्ल के पशुओं का विवरण संबंधित पशु चिकित्सक को उपलब्ध कराएं तथा पशु प्रवेश याचिका समय रहते पूर्ण करें। डीसी ने बताया कि प्रदर्शनी में मुर्रा भैंस, देसी नस्ल की गाय (हरियाणा, साहीवाल, गिर, थारपारकर, साही, बेलाही), क्रॉस ब्रीड गाय, घोड़े व गधे, ऊंट, भेड़ (नाली नस्ल), हिसार डेल नस्ल, बकरी एवं गौशाला पशु भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान चयनित सर्वश्रेष्ठ पशुओं के पशुपालकों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पशुपालकों को प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए अपने साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, फसल चेक तथा परिवार पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाने होंगे।

दहिया के नेतृत्व में चिड़ावा में हुआ प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शनिवार को भाजपा नेता राजेश दहिया के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकृताओ ने झुझुनू प्रवास पर पधारे प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का चिड़ावा बाईपास पर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर चिड़ावा पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव सिंह , नगर मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र गिरधर, मंडल अध्यक्ष विकाश स्वामी, प स सदस्य अनिल रणवा, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनिता जांगिड, प्रकोष्ठ संयोजक अंजु काला, मंजू कुल्हारी, ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री किशोरी लाल, प स सदस्य पवन मेघवाल , देवरोड़ सरपंच अनूप नेहरा, पार्षद राजेन्द्र पाल , पार्षद मदन डारा, युवा नेता सुरेश भूकर, प स सदस्य प्रविंन सिंह , पवन शर्मा नवहाल, पार्षद मंजीत, मोहित तामदायत,राजेश वर्मा, मुकेश जालिंद्रा, राजेंद्र पाल कोच, सामोद नूनिया, राजकुमार गजराज, मुकेश जलेन्द्र, सुनील भड़िया, मंगेश भगत, सूर्यप्रकाश, राजपाल, अशोक, घीसाराम चेयरमैन सुल्ताना, विनोद गिरधर, सुशील डाबला, मुंशी सैनी, पवन डांगी, सूरज, राजेश जागिड़,रामू मेघवाल ओजटू, रणजीत श्योपुरा, जगदीश,नरेश सहित संकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहें।

महात्मा गांधी को लाखेरी में कांग्रेस जनों ने याद करके दी श्रद्धांजली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लाखेरी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । शुक्रवार को महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि पर गांधी पूरा पार्क में नगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में शहीदी दिवस के रूप में महात्मा गांधी जी की मूर्ति पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण कर समस्त कांग्रेस जनों ने सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही 2 मिनट का मौन रखा गया। गांधीजी की प्रतिमा के सामने पार्क में सभी कांग्रेस जनों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए एवं सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलते रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौथमल वर्मा, महामंत्री पवन गोयनका व मंडल कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण नरेन्द्र जैन, मुन्ना मंसूरी ,लटूर लाल मेहरा, जगदीश पारेता, रुखसार पठान, विनोद बैरवा वकील , मो0सादिक पठान ,राजेंद्र वर्मा, राजेंद्र बेरवा ,रमेश राठौड़ , बाबूलाल मीणा, बाबूलाल वर्मा युगल किशोर मेहरा, पारस जैन सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

आरएसएस के प्रचारक डॉ. श्रीकांत ने किया संबोधित हिन्दु जागरण से राष्ट्र जागरण

शिवाजी बस्ती में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा नगर की शिवाजी बस्ती में शनिवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सजीव झांकियों के साथ निकाली गई कलश यात्रा में बस्ती की सांस्कृतिक एकरूपता और धार्मिक उत्साह का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।चिड़ावा नगर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों से अलग-अलग भव्य कलश यात्राएं निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं पुरुष वर्ग शामिल हुआ। सिर पर मंगल कलश और चुनरी धारण किए मातृशक्ति की यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, पूरा नगर भगवामय हो गया। जय श्रीराम के नारों से वातावरण गूंज उठा। सभी कलश यात्राओं का समापन ग्रेटर कृष्णा मैरिज गार्डन में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत शिरोमणि दिनेश गिरी महाराज रहे। उन्होंने हिंदू समाज, संस्कृति और धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू धर्म जीवन जीने का आधार है। उन्होंने समाज को जीवन में छोटी-छोटी अच्छी आदतें अपनाने का संकल्प दिलाया तथा पंच परिवर्तन–कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य–पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख डॉ. श्रीकांत ने संबोधित करते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब देश गुलामी में था, तब हिंदू समाज की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे कठिन समय में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में सकारात्मक बदलाव लाने में संघ और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज हिंदू समाज का संगठित होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि संगठित समाज से ही राष्ट्र सुरक्षित और समृद्ध बनता है। उन्होंने युवाओं को संस्कारों से जोड़ने का आह्वान किया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महापुरुषों के उदाहरण देकर कर्तव्यबोध के माध्यम से समाज जागरण पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष सीताराम वर्मा ने समाज, प्रशासन एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समाज के कई प्रमुख व्यक्ति मंचासीन रहे, जिनमें फूलचंद सोलंकी, रविंद्र ढोलपुरिया, गुलाब मेघवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जयपुर में बारिश, अजमेर में ओले गिरे:

1 फरवरी को 13 जिलों में बरसात का अलर्ट; तापमान में गिरावट

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान के कई जिलों में शनिवार शाम को मौसम बदल गया। जयपुर में बारिश हुई। अजमेर में बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम विभाग ने 1 फरवरी को 13 जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, अलवर में ऑरेंज अलर्ट, जबकि सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ में येलो अलर्ट जारी किया है।

बदलेगा मौसम

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- आज से एक पश्चिमी विक्षोभ राजस्थान पर एक्टिव होगा। इस सिस्टम का असर पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान के जिलों में 1 फरवरी तक देखने को मिलेगा। इस दौरान उदयपुर, कोटा, जयपुर, भरतपुर और अजमेर संभाग के एरिया में बादल छाएंगे और कहीं-कहीं हवा चलने के साथ बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। इसको देखते हुए कुछ जिलों के लिए ऑरेंज और कुछ जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

खनन विभाग:सैंड पोर्टल फार्मूला और नई लीज शुरू होने से आमजन को बजरी 40 प्रतिशत तक सस्ती मिलती

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । आमजन को सस्ती बजरी उपलब्ध कराने के संकल्प पत्र के वादे को दो साल गुजरने के बाद भी सरकार या खान विभाग इसे पूरा नहीं कर सका है। यदि राजस्थान में भाजपा के संकल्प पत्र के वादे के अनुसार सैंड पोर्टल फार्मूला लागू होता तो आमजन को घर बनाने के लिए वर्तमान कीमतों की तुलना में 40 प्रतिशत तक सस्ती बजरी उपलब्ध हो सकती थी। प्रदेश में बजरी 1200 से 1400 रुपए टन तक बिक रही है। खान विभाग की मंशा थी कि आमजन को बजरी 700-800 रुपए टन उपलब्ध हो सके, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। पोर्टल फॉर्मूला लागू नहीं होना और हाल ही में 93 बजरी की लीज कोर्ट के दिशा-निर्देशों से खत्म होना इसकी बड़ी वजह है। गौरतलब है पोर्टल फार्मूला लागू होता तो बिचौलियों और ठेकेदारों की भूमिका पर असर पड़ता और ब्लैक मार्केटिंग खत्म होती।

संक्षिप्त समाचार

कड़कड़डूमा में बनेगा पूर्वी दिल्ली का मिनी सचिवालय

एक ही छत के नीचे होंगे सारे सरकारी काम

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप पूर्वी दिल्ली में रहते हैं और सरकारी कामों के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर काटकर थक चुके हैं, तो यह खबर आपको राहत देने वाली है। कड़कड़डूमा में खाली पड़ी 12 मंजिला इमारत अब पूर्वी दिल्ली जिले का मिनी सचिवालय बनने जा रही है।

12 मंजिला इमारत में शिफ्ट होंगे सभी बड़े दफ्तर– कड़कड़डूमा कोर्ट के पास स्थित एमसीडी का ऑफिस कॉम्प्लेक्स, जिसे मूल रूप से पूर्वी दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय के रूप में बनाया गया था, अब पूर्वी दिल्ली जिले का प्रशासनिक केंद्र बनेगा। इस एक ही जगह पर डीएम, राजस्व अधिकारी और अन्य नागरिक

सेवाओं के दफ्तर मौजूद होंगे, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली के सभी 13 नए जिलों में ऐसे एकीकृत प्रशासनिक हब बनाने की योजना है ताकि सरकारी सेवाओं तक लोगों की पहुंच आसान हो सके।

मेट्रो के पास, 200+ गाड़ियों की पार्किंग– यह इमारत सिर्फ ऊंची ही नहीं, बल्कि सुविधाओं से भी लैस है। यह पूरी तरह से वातानुकूलित है। यहां 216 वाहनों के लिए पार्किंग की जगह है और यह मेट्रो स्टेशन के बिल्कुल करीब है, जिससे लोगों का यहां पहुंचना आसान होगा। यह कॉम्प्लेक्स 7,132 वर्ग मीटर में फैला है और इसमें तीन ब्लॉक हैं। साल 2022 में दिल्ली के तीनों नगर निगमों के एक होने के बाद से यह इमारत खाली पड़ी थी और इसका कोई स्पष्ट उपयोग नहीं हो पा रहा था। एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि इस इमारत के रखरखाव पर भारी खर्च हो रहा था। इसे दिल्ली सरकार को सौंपने या लीज पर देने से एमसीडी को राजस्व मिलेगा और रखरखाव का खर्च बचेगा।

सीएम और मेयर की मीटिंग के बाद लगेगी अंतिम मुहर– इस प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देने के लिए एमसीडी मेयर राजा इकबाल सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बीच जल्द ही एक बैठक होने की संभावना है। इसके अलावा, मंडावली, उत्तर जिला, कंझावला और द्वारका सेक्टर-10 में भी इसी तरह के मिनी सचिवालय बनाने का काम पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है।

बारामती विमान दुर्घटना पर नहीं फैलाएं अफवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। पायलटों के समूह एएलपीए इंडिया ने बारामती विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्ति की है और लोगों से दुर्घटना के संबंध में अफवाह फैलाने और नैरेटिव गढ़ने से बचने की अपील की है। बारामती एयरपोर्ट के पास बुधवार सुबह विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, दो पायलट और दो अन्य की मौत हो गई थी। एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए इंडिया) ने गुरुवार को एक बयान में कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि दोनों पायलटों ने पेशेवर नैतिकता के उच्चतम मानकों का पालन किया होगा और अपनी अंतिम सांस तक विमान और उसमें सवार लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया होगा। इसमें सभी से यह आग्रह भी किया गया है कि वे सत्यापित तथ्यों और उचित जांच के बगैर अटकलें, अफवाहें या नैरेटिव गढ़ने से बचें। पायलटों के संगठन ने कहा, हमें विश्वास है कि डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) और एएआइबी (विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो) एक गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करेंगे और उचित समय पर अपने निष्कर्षों को सामने रखेंगे।

नोबल स्कूल में 12वीं विदाई समारोह, समाजसेवी दिव्यांग कुलदीप सेन उर्फ प्रधान जी का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

नोबल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवलावास के परिसर में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं दिव्यांग प्रेरणास्रोत कुलदीप सेन उर्फ प्रधान जी (ग्राम रायपुर) रहे, जिनका नोबल शिक्षण समूह प्रबंधन की ओर से सम्मान किया गया। समारोह में कुलदीप सेन का सम्मान विशेष चर्चा का विषय रहा। क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचान बना चुके कुलदीप सेन आमजन की समस्याओं को लेकर लगातार सरकारी कार्यालयों के द्वार खटखटाते रहे हैं। उन्होंने 'अकेला चलो' की नीति पर चलते हुए अनेक जनआंदोलनों का नेतृत्व किया तथा ग्रामीण क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण कच्चे रास्तों को पक्का करवाने में अहम भूमिका निभाई है।कार्यक्रम में नोबल शिक्षण समूह के डायरेक्टर इंजीनियर संदीप नेहरा ने बताया कि कुलदीप सेन ने पचेरी से भालोठ सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर लगभग दो वर्षों तक संघर्ष किया। उपखंड मुख्यालय से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर उन्होंने आमजन की पीड़ा को सरकार तक पहुंचाया। उनके निरंतर संघर्ष, गर्मी-सर्दी की परवाह किए बिना किए गए आंदोलनों और जमीनी सच्चाई को देखते हुए सरकार ने करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से पचेरी-भालोठ सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। इस निर्णय ने क्षेत्रवासियों में यह विश्वास जगाया कि

जनसमस्याएं उठाने से सरकार सुनती है, भले ही संघर्ष अकेले क्यों न करना पड़े।

इसी क्रम में कुलदीप सेन ने रायपुर अहीरान से सातोंर जाने वाली सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर भी आवाज उठाई। उन्होंने बारिश के मौसम में स्कूली बच्चों को होने वाली परेशानी को लेकर शिक्षा मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिव्या कुमारी की जनसुनवाई में भाग लेकर समस्या रखी। बच्चों के स्कूल न पहुंच पाने, रास्तों कीचड़युक्त होने और कपड़ों व चलने में कठिनाइयों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। इसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष के बजट में इस सड़क की घोषणा की गई, जिसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना गया। डायरेक्टर इंजीनियर संदीप नेहरा ने कहा कि कुलदीप सेन का सम्मान इसलिए किया गया ताकि विद्यार्थियों को यह प्रेरणा मिले कि सत्य, साहस और दृढ़ संकल्प से जीत संभव है। एक दिव्यांग व्यक्ति द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को मनवाना छात्रों के लिए जीवंत उदाहरण है। विद्यालय प्रबंधन ने यह भी कहा कि किसी शैक्षणिक कार्यक्रम में ऐसे समाजसेवी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करना स्कूल की सकारात्मक सोच, सामाजिक सरोकार और मूल्यों को दर्शाता है। इससे विद्यार्थियों और आमजन में यह संदेश जाता है कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी सिखाती है। समारोह में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही और कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य करण सिंह नेहरा, नोबल संस्थान की संरक्षक संतोष नेहरा, डिप्टी डायरेक्टर अशोक शर्मा, नोबल साइंस एकेडमी पचेरी के निदेशक डॉ. मानसिंह चौधरी, डायरेक्टर सुमन नेहरा, मैनेजिंग डायरेक्टर शुभम नेहरा, प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार यादव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।विदाई समारोह के दौरान 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा 12वीं कक्षा के छात्रों को भावभीनी विदाई दी गई। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय जीवन के बाद उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जाना होगा, ऐसे में नोबल संस्थान से प्राप्त संस्कार, विचार और अनुशासन को अपने साथ लेकर चलें।

उन्होंने कहा कि यह समय जीवन में दोबारा लौटकर नहीं आता, इसलिए विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं का सदुपयोग करते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने करियर निर्माण में जुट जाना चाहिए।

हॉकी वाली सरपंच नीरू यादव की पहल: लांबी सहड़ में इंग्लिश मीडियम बाल वाटिका का भव्य लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

ग्रामीण क्षेत्र में प्रारंभिक शिक्षा को नई दिशा देने वाली एक ऐतिहासिक पहल के तहत शनिवार सायं शहीद सुरेश सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, इंग्लिश मीडियम, लांबी सहड़ में आदित्री फाउंडेशन एनजीओ के सहयोग से निर्मित बाल वाटिका (इंग्लिश मीडियम प्ले स्कूल) का भव्य लोकार्पण राजस्थान सरकार के पंचायत राज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने कर कमलों द्वारा किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता झुंझुनूं की पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने की, जबकि समारोह में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश प्रवक्ता दशरथ सिंह शेखावत, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांभू, भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हारी, सूरजगढ़ के पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, नगर पालिका चेयरमैन पुष्पा सेवाराम गुप्ता, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रतन सिंह तंवर, चूरू जिला मंत्री संदीप काजला, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष वर्षा सोमरा, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र भाटिया, पूर्व उपप्रधान राजपाल सिंह तंवर, भाजपा नेता भरत बोहरा, सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

'हॉकी वाली सरपंच' बनीं पंचायत राज की रोल मॉडल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि ग्राम पंचायत लांबी अहीर की सरपंच नीरू यादव ने 'हॉकी वाली सरपंच' के रूप में न केवल गांव बल्कि पूरे प्रदेश की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में सरपंच नीरू यादव द्वारा किया गया कार्य पंचायत राज व्यवस्था का आदर्श उदाहरण है। मंत्री ने बाल वाटिका की सराहना करते हुए कहा कि यहां बच्चे खेल-खेल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करेंगे, जो नई शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप एक अनुकरणीय पहल है।

नीरू यादव ने रखी विकास की मांगें

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरपंच एवं आदित्री फाउंडेशन की अध्यक्ष नीरू यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा मंत्री के समक्ष मांग-पत्र प्रस्तुत कर लांबी सहड़ विद्यालय में कृषि विज्ञान संकाय, लांबी अहीर विद्यालय में वाणिज्य संकाय खोलने, भोपालपुरा विद्यालय के क्रमोन्नयन, तीनों विद्यालयों के भवनों के नवनिर्माण तथा अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण की मांग रखी।

बाल वैज्ञानिक मयंक मेघवाल का सम्मान

समारोह के दौरान लांबी जाट निवासी छात्र मयंक मेघवाल को इंस्पायर अवार्ड के तहत राष्ट्रीय स्तर तक चयनित होने पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा सम्मानित किया गया। मयंक ने संसाधनहीन ग्रामीण परिवेश से निकलकर अपनी प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय मंच पर जिले का नाम रोशन किया है।

ग्रामीण शिक्षा में मील का पत्थर

कार्यक्रम में वंचित एवं जरूरतमंद प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। समूचा वातावरण शिक्षा, नवाचार और सामाजिक प्रेरणा से ओत-प्रोत नजर आया। बाल वाटिका का यह लोकार्पण ग्रामीण अंचल में इंग्लिश मीडियम प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

केबीसी से जीती राशि भी बच्चों को समर्पित

मदन दिलावर ने कहा कि कौन बनेगा करोड़पति सहित विभिन्न मंचों से प्राप्त पुरस्कार राशि को बच्चों की शिक्षा के लिए समर्पित करना सरपंच नीरू यादव की संवेदनशील सोच को दर्शाता है। यह नवाचार अन्य जनप्रतिनिधियों और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

बढ़ती करीबी के बीच अमेरिका का पाकिस्तान को करारा तमाचा, अपने नागरिकों को पाक जाने से किया मना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका जहां एक ओर पाकिस्तान के साथ नजदीकी बढ़ा रहा है, उसके सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर को भोज पर आमंत्रित कर चुका है। वहीं दूसरी ओर, उसने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अब अपने नागरिकों से पाकिस्तान की यात्रा न करने की सलाह दी है।

अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी नई ट्रैवल एडवाइजरी में आतंकवाद, अपहरण और संभावित सशस्त्र संघर्ष के खतरों को देखते हुए नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सलाह दी गई है। इस ट्रैवल एडवाइजरी में पाकिस्तान को लेवल 3 (पुनर्विचार करें) श्रेणी में रखा गया है।

अमेरिका की चेतावनी: रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में आतंकवाद, नागरिक अशांति और अपराध का उच्च जोखिम है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी है कि आतंकवादी बिना किसी पूर्व सूचना के

परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग माल, सैन्य ठिकानों, स्कूलों, अस्पतालों और धार्मिक स्थलों को निशाना बना सकते हैं।

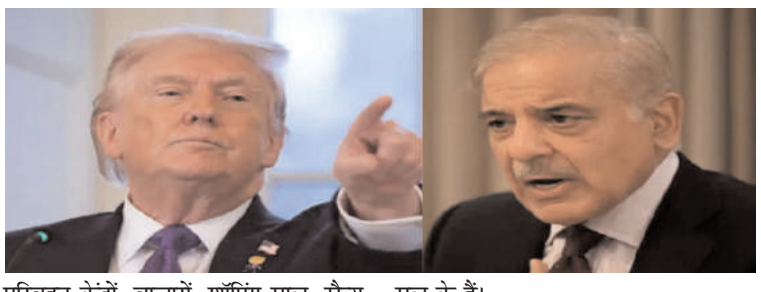

एडवाइजरी में विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों के लिए लेवल 4 (यात्रा न करें) की चेतावनी दी गई है। इन क्षेत्रों में हत्या और अपहरण के प्रयासों को आम बताया गया है। यह चेतावनी उन अमेरिकी नागरिकों पर भी समान रूप से लागू होती है जो पाकिस्तानी मूल के हैं।

एडवाइजरी में क्या-क्या है: इसके अतिरिक्त, अमेरिकी नागरिकों को पाकिस्तान में बिना अनुमति के प्रदर्शनों का हिस्सा न बनने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानी सरकार या सेना की आलोचना करने वाली पोस्ट डालने पर भी विदेशी नागरिकों को हिरासत का सामना करना पड़ सकता है।

डेनमार्क की पीएम ने ट्रम्प को झुकने को मजबूर किया

देशभर में बढ़ी फ्रेडरिक्स की लोकप्रियता, अब सर्वे में पार्टी को 9 सीटों का फायदा

कोपनहेगन, एजेंसी। ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर अमेरिका और डेनमार्क के बीच विवाद का फायदा डेनिश पीएम मेट फ्रेडरिक्सन को मिला है। अमेरिकी वेबसाइट द पोलिटिको ने लिखा है कि फ्रेडरिक्सन को राष्ट्रपति ट्रम्प को शुक्रिया कहना चाहिए क्योंकि उन्होंने उन्हें गहराते राजनीतिक संकट से बाहर निकाल लिया है। फ्रेडरिकसन की पार्टी के पॉपुलैरिटी में काफी उछाल आया है। सर्वे में सोशल डेमोक्रेट्स को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिख रही थीं। यानी एक ही महीने में पार्टी की स्थिति में करीब 9 सीटों का उछाल आया है।

पिछले साल नवंबर 2025 में सोशल डेमोक्रेट पार्टी लोकल चुनाव हार गई थी। सबसे बड़ा झटका कोपेनहेगन में लगा, जहां पार्टी ने 100 साल में पहली बार सत्ता गंवा दी। स्थिति तब बदलनी शुरू हुई, जब ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को डेनमार्क से छीनकर अपने में मिलाने की धमकी दी। इसके जवाब में डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने खुलकर देश की संप्रभुता का बचाव किया।

गठबंधन की सरकार चला रहीं फ्रेडरिक्सन

डेनमार्क में संसद में कुल 179 सीटें हैं, इनमें से प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट्स के पास 50 सीटें हैं। सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट पार्टी इस समय देश में गठबंधन सरकार चला रही है। इस गठबंधन में दो सेंटर-राइट पार्टियां मॉडरेटर्स और वेनस्टर भी शामिल हैं।

मेगाफॉन नाम की एक डेनिश कंसल्टेंसी के सर्वे में सोशल डेमोक्रेट पार्टी को 22.7 प्रतिशत वोट और संसद की 41 सीटें मिलीं। यह सर्वे 20 से 22 जनवरी के बीच किया गया। दिसंबर में हुए सर्वे में फ्रेडरिकसन की पार्टी को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिखाई गई थीं।

ताजा सर्वे दिखाते हैं कि 41 सीटों के साथ भी वे संसद की सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेंगी। इससे वे फिर से गठबंधन सरकार बनाने की बातचीत में सबसे मजबूत स्थिति में आ जाएंगी, हालांकि सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

100 साल में पहली बार राजधानी में हारी पार्टी

समर्थन में आई यह बढ़त इसलिए और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि नवंबर में हुए नगर निगम चुनावों में सोशल डेमोक्रेट्स को करारी हार मिली थी। इस चुनाव में पार्टी ने कोपेनहेगन गंवा दिया था, जो बेहद अहम सीट थी और जिसे पार्टी ने पिछले 100 सालों में कभी नहीं खोया था।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन के नेतृत्व वाली मॉडरेट्स पार्टी ने इस सर्वे में अपना वोट शेयर लगभग तीन गुना कर लिया। पार्टी का वोट 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 6.4 प्रतिशत हो गया। यह करीब 12 सीटों के बराबर है।

वहीं एक और एजेंसी वॉक्समीटर के सोमवार को जारी सर्वे में फ्रेडरिकसन की कैबिनेट को 40.9 समर्थन मिला, जो दो साल में सबसे ऊंचा स्तर है। अगर आज चुनाव होते हैं तो गठबंधन के 73 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया है।

कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट 6 घंटे बंद रहा

सर्च करने पर लिखा आ रहा था- प्रोफाइल उपलब्ध नहीं, फैंस अनुष्का से वजह पूछ रहे थे

बंगलूर (एजेंसी)। विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट गुरुवार रात अचानक बंद हो गया था, जो करीब 6 घंटे बाद फिर से दिखाई देने लगा है। इस दौरान सर्च करने पर उनकी प्रोफाइल नहीं दिख रही थी और डायरेक्ट लिंक से भी अकाउंट नहीं खुल रहा था।

गुरुवार रात करीब 2 बजे विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर सामने आई। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट ठीक किस समय बंद हुआ था।

कोहली के अकाउंट को खोलने पर स्क्रीन पर लिखा आ रहा था- यह पेज उपलब्ध नहीं है। उनके इंस्टाग्राम पर 274 मिलियन (27 करोड़ 40 लाख) से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

विराट कोहली का अकाउंट गायब होने के बाद फैंस उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पोस्ट पर कमेंट कर के वजह पूछ रहे थे।

इस मामले में अब तक विराट, उनकी मैनेजमेंट टीम या इंस्टाग्राम की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट को जानबूझकर डीएक्टिवेट किया था या कोई तकनीकी गड़बड़ी थी।

हाल के दिनों में कोहली की सोशल मीडिया गतिविधियां भी सीमित रही हैं। उन्होंने पहले कई प्रमोशनल पोस्ट हटाकर क्रिकेट और परिवार को प्राथमिकता देने के संकेत दिए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोहली एक प्रमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट के करीब 12 से 14 करोड़ रुपए तक चार्ज करते हैं।

पीटी उषा के पति श्रीनिवासन का निधन

- एथलीट से सांसद बनने तक के सफर में साथ रहे, उषा के पिलर ऑफ सपोर्ट कहे जाते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलिंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 67 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, श्रीनिवासन शुक्रवार सुबह अपने घर पर अचानक गिर पड़े थे। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीएम मोदी ने पीटी उषा से फोन पर की बात - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद खबर के बाद पीटी उषा से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पीएमओ के अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। श्रीनिवासन केंद्र सरकार के कर्मचारी थे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय पीटी उषा के खेल और राजनीतिक सफर को संवारने में लगाया।

पीटी उषा के करियर के पिलर ऑफ सपोर्ट थे - श्रीनिवासन को खेल जगत में पीटी उषा के 'पिलर ऑफ सपोर्ट' के रूप में जाना जाता था। उषा के एक एथलीट के रूप में शानदार करियर से लेकर आईओए अध्यक्ष बनने और राज्यसभा सांसद के रूप में उनके राजनीतिक सफर तक, श्रीनिवासन हर कदम पर उनके साथ रहे। वे अक्सर महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में उषा के साथ देखे जाते थे। खेल जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उषा की कई व्यावसायिक और पेशेवर उपलब्धियों के पीछे श्रीनिवासन की रणनीति और मेहनत का बड़ा हाथ था।

37 साल में पहली बार

गैडेकी और पीयर्स ने ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स जीतकर रचा इतिहास

मेलबर्न (एजेंसी)। होमटाउन वाइल्डकार्ड ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स शुक्रवार को यहां 37 साल में ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब बचाने वाली पहली जोड़ी बन गई है। घरेलू पसंदीदा जोड़ी ने रॉड लेवर एरिना में फ्रेंच जोड़ी क्रिस्टीना म्लाडेनोविक और मैनुअल गिनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराया। गैडेकी और पीयर्स 1988-89 में जाना नोवोत्ना और जिम पुघ के बाद लगातार एओ मिक्स्ड डबल्स खिताब जीतने वाली पहली जोड़ी बन गईं। वे 1963-64 में मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर के बाद अपने घरेलू स्लैम में लगातार खिताब जीतने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई भी बन गए।

गैडेकी ने ट्रॉफी सेरेमनी में कहा, मुझे ठीक से नहीं पता कि कहां से शुरू करूं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि हम अभी इस स्थिति में हैं। मुझे पता था कि हम यह कर सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगा था कि हम सच में ऐसा कर पाएंगे, आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है। यह पीयर्स का तीसरा ग्रैंड स्लैम मिक्स्ड डबल्स खिताब था। उन्होंने 2022 में स्टॉर्म सैंडर्स के साथ स ओपन भी जीता था। उन्होंने 2017 में फिनलैंड के हेनरी कोंटिनेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष डबल्स जीता था और मैथ्यू एब्डेन के साथ जोड़ी बनाकर 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था।

इस बीच यह डब्ल्यूटीए स्टार गैडेकी का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब था, जो उन्होंने 2025 में पीयर्स के साथ मेलबर्न पार्क में जीता था। गैडेकी और पीयर्स मुश्किल में दिख रहे थे जब वे मैच टाईब्रेक में 5-7 से पीछे हो गए, लेकिन फिर उन्होंने आखिरी छह में से पांच पॉइंट जीते। गैडेकी खास तौर पर मुश्किल समय में ग्राउंड से बहुत मजबूत थीं, जबकि फ्रेंच जोड़ी फिनिश लाइन के करीब आने पर दबाव में आ गई।

ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी 8-7 से आगे हो गई जब म्लाडेनोविक ने एक लंबा रिटर्न मारा जिसके बाद पीयर्स के जोरदार रिटर्न ने स्कोर 9-7 कर दिया और उन्हें दो चैंपियनशिप पॉइंट मिले। फ्रेंच जोड़ी ने उनमें से एक को बचाया, लेकिन जब पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे गिनार्ड का पीयर्स की दूसरी सर्व का रिटर्न नेट में जा लगा, तो लगातार दूसरी जीत पक्की हो गई।

पांचवें टी-20 में सैमसन की फॉर्म और अक्षर की फिटनेस पर नजर, ये हो सकती है प्लेइंग 11

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। खिताब का प्रबल दावेदार भारत टी20 विश्व कप से पहले शनिवार को यहां जब न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने के लिए उतरेगा तो उसे उम्मीद रहेगी कि संजू सैमसन अपने घरेलू दर्शकों के सामने फॉर्म में वापसी करने और अक्षर पटेल फिटनेस हासिल करने में सफल रहेंगे। विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने प्रयोग करते हुए पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया तथा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई। भारत यह मैच हार गया था लेकिन इससे श्रृंखला के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि भारतीय टीम पहले ही इसे अपने नाम कर चुकी थी। जैसा कि श्रृंखला के पिछले मैचों में देखा गया, भारत अपने गेंदबाजी विभाग में एक बार फिर फेरबदल कर सकता है।

भारतीय टीम प्रबंधन पिछले 2 मैचों में आराम देने के बाद मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दे सकता है। बल्लेबाजी विभाग में शायद ज्यादा बदलाव न हों, लेकिन टीम प्रबंधन सैमसन पर नजर रखेगा। अपनी निर्भीक बल्लेबाजी के लिए मशहूर सैमसन इस श्रृंखला में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उनकी फॉर्म के बजाय उनकी तकनीकी कमजोरी चिंता का विषय है जिससे उनका आत्मविश्वास भी डगमगा गया है। वह सात फरवरी से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे।

सैमसन अब अपने गृह नगर में खेलेंगे और यहां के अपने समर्थकों के सामने शायद वह अपनी खोई हुई लय को फिर से प्राप्त कर लें। टीम के आगमन के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो से यह स्पष्ट हो गया कि वह देश के इस हिस्से में सुपरस्टार हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव को हवाई अड्डे के निकास द्वार पर अपने 'चेट्टा' (बड़े भाई) के लिए मजाक में रास्ता साफ करते हुए देखा गया, जहां सैकड़ों प्रशंसक सैमसन और उनके साथियों की एक झलक पाने के लिए कतार में खड़े थे।

ईशान किशन के रूप में भारतीय टीम के पास सैमसन का मजबूत विकल्प मौजूद है। उन्होंने इस श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस विकेटकीपर बल्लेबाज को अज्ञात चोट के कारण पिछले मैच से बाहर बैठना पड़ा था। ऑलराउंडर अक्षर भी नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे मैच से पहले नेट पर गेंदबाजी की थी। भारत टी20 विश्व कप में अपना पहला मैच सात फरवरी को मुंबई में खेलेगा और वह उससे पहले जीत हासिल करना चाहेगा। इस तरह से देखा जाए तो भारत इस मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से शैली, ताकत और गहराई से भरपूर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा। न्यूजीलैंड की टीम बिल्कुल यह नहीं चाहेगी कि ऐसा हो। उसकी टीम पहले तीन मैचों में वे भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आई, लेकिन विशाखापत्तनम में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कामयाबी हासिल की। अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे। अब उन्हें पता चल गया है कि यह भारतीय टीम अजेय नहीं है और 3-2 का अंतर उन्हें आगामी बड़े मुकाबलों से पहले मानसिक रूप से मजबूत करेगा।

संभावित प्लेइंग 11

भारत- अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती

न्यूजीलैंड - डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

समय - शाम 7 बजे।

पाकिस्तान अब टी-20 वर्ल्डकप का बायकॉट नहीं करेगा

टीम 2 फरवरी को कोलंबो पहुंचेगी, बांग्लादेश के सपोर्ट में टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी थी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब टी-20 वर्ल्ड कप का बायकॉट नहीं करेगी। मीडिया सूत्रों ने पीसीबी के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि पाकिस्तानी टीम का शेड्यूल तय हो चुका है। टीम 2 फरवरी को कोलंबो रवाना होगी। इसके साथ ही पाकिस्तान के वर्ल्ड कप से हटने या भारत से ना खेलने के कयासों पर लगभग विराम लग गया है। उम्मीद है कि पीसीबी शुक्रवार को अपने खेलने की पुष्टि कर देगा।

पाकिस्तान वर्ल्ड कप से क्यों नहीं हट सकता है?

- पीसीबी ने भारत में ना खेलने को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं पर पूरा समर्थन जताया है। लेकिन वह ऐसा एक दायरे में रहकर ही करना चाहता है ताकि आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) उस पर कोई कार्रवाई भी ना करे।
- बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता है। इसके तहत 2027 तक आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत-पाकिस्तान के सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। पीसीबी इस समझौते को नहीं तोड़ सकता है।
- पाकिस्तान का पूरा वर्ल्ड कप शेड्यूल श्रीलंका में है। यहां तक कि अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल भी वहीं खेला जाएगा। ऐसे में वह टूर्नामेंट या भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार किस आधार पर करेगा?

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।

उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला।

अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट का एलान

बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट सामने आ गई है। दिसंबर में अक्षय कुमार ने एक वीडियो साझा कर बताया था कि यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। अब इसकी रिलीज डेट का खुलासा भी कर दिया गया है।

जून में होगा बॉक्स ऑफिस पर धमाका!

कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून, 2026 को रिलीज होगी। वेलकम फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे।

ये सितारे होंगे फिल्म का हिस्सा

फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पिछली दो फिल्में रहीं हिट

इस चर्चित फ्रेंचाईजी की पहली वेलकम साल 2007 में रिलीज हुई थी।

लोकेश कनगराज ने क्यों छोड़ी थलाइवर 173, बताई वजह

साउथ निर्देशक लोकेश कनगराज ने हाल ही में रजनीकांत और कमल हासन की फिल्म थलाइवर 173 से इसलिए हटे क्योंकि रचनात्मक मतभेद हो गए थे। उन्होंने करीब डेढ़ महीने तक स्क्रिप्ट पर मेहनत की थी, लेकिन दोनों बड़े सितारों से बात करने के बाद फिल्म की दिशा बदल गई। रजनीकांत और कमल हासन दोनों ही अपनी पिछली एक्शन से भरी फिल्मों के बाद अब एक हल्की-फुल्की, मजेदार फिल्म करना चाहते थे।

रजनीकांत जेलर 2 जैसी एक्शन फिल्म से वापसी कर रहे हैं और कमल हासन भी अनबरीव जैसी हाई-ऑक्टेन फिल्म की तैयारी में हैं। इसलिए वे जानबूझकर कुछ अलग स्टाइल की फिल्म चाहते थे। लोकेश ने कहा, ऐसी हल्की फिल्में मेरी पसंद की नहीं हैं, इसलिए उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया।

कैथी 2 में देरी क्यों?

कैथी 2 में देरी की अफवाहों पर भी लोकेश ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि देरी का कारण वेतन बढ़ाने की मांग नहीं है। इस वजह से उन्हें मैत्री मूवी मेकर्स के साथ पुराना प्रोजेक्ट फिर से शुरू करना पड़ा और तभी अल्लू अर्जुन के साथ नई फिल्म शुरू हुई। वहीं एटली (जो अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं) से तुलना की बात पर लोकेश ने कहा कि उनके बीच कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं है। दोनों तमिल सिनेमा को आगे बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं और एक-दूसरे की सफलता से खुश होंगे। अब थलाइवर 173 का निर्देशन सिबी चक्रवर्ती करेंगे और इसे कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल बनाएगी।

लोकेश की आने वाली फिल्म

लोकेश की तरफ से अच्छी खबर यह है कि उन्होंने हाल ही में अल्लू अर्जुन के साथ अपनी नई फिल्म की घोषणा की। पोंगल और मकर संक्रांति के मौके पर इसका टीजर जारी किया गया। फिल्म का अभी शीर्षक फाइनल नहीं हुआ है, संगीत अनिरुद्ध देंगे और शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होगी।

क्यों प्रसिद्ध हैं लोकेश कनगराज?

लोकेश कनगराज मुख्य रूप से अपनी अनूठी एक्शन-थ्रिलर फिल्म मानागरम, कैथी, विक्रम और लियो (2023) जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

बहन शाहीन के साथ मिलकर करेंगी निर्माण

आलिया भट्ट ने की रोमांटिक कॉमेडी 'डोंट बी शाय' की घोषणा

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- 'डोंट बी शाय'। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है।

प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी 'डोंट बी शाय'

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- 'डोंट बी शाय' है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- 'क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के और एक कछुआ भी...।' दरअसल, 'यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।'

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, 'वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने', फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, 'अब तक की सबसे प्यारी घोषणा', एक फैन ने लिखा, 'आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है', दूसरे फैन ने लिखा, 'यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।'

कब रिलीज होगी 'लव एंड वॉर'

आलिया भट्ट 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

'मर्दानी 3' हिट है या फ्लॉप?

फिल्म 'मर्दानी 3' में भी इस बार रानी मुखर्जी ने पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया है। फिल्म में उनका अंदाज दर्शकों को पसंद आता है, लेकिन फिल्म की कहानी को लेकर फैंस निराश नजर आ रहे हैं। एक्स (ट्विटर) पर सोशल मीडिया यूजर्स रानी मुखर्जी की फिल्म को लेकर अपनी राय साझा कर रहे हैं। जानिए, यूजर्स को कैसी लगी है फिल्म 'मर्दानी 3'?

यूजर्स को फिल्म की कहानी धमाकेदार नहीं लगी : फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर एक यूजर ने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'मर्दानी 3 का पहला हाफ अच्छा बिल्डअप होता है। रानी मुखर्जी की एनर्जी जबरदस्त है और इसका असर शुरू से ही दिखता है, लेकिन इंटरवल तक फिल्म काफी प्रेडिक्टेबल लगती है। यह पिछली फिल्मों जितनी धमाकेदार नहीं बनी है। एक सॉलिड सेकंड हाफ की जरूरत 'मर्दानी 3' को थी।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'रानी मुखर्जी को अपराधियों की पिटाई करते देखना एक अलग ही तरह का आनंद देता है। जिस तरह से वह संयम और जोरदार एक्टिंग का बैलेंस बनाती हैं, वह हमेशा की तरह तारीफ के काबिल है। ड्रामा भी जोरदार है, लेकिन पहले दो पार्ट्स वाला पंच गायब है। इस बार यह उतना इंटेंस नहीं है। इंटरवल से पहले का सस्पेंस भी अंदाजा लगाने लायक है। विलेन के तौर पर मल्लिका प्रसाद ठीक हैं।'

क्या है फिल्म 'मर्दानी 3' की कहानी: फिल्म 'मर्दानी 3' की कहानी की बात करें तो इसमें रानी मुखर्जी का किरदार शिवानी लापता लड़कियों को बचाने और खोजने के मिशन पर हैं। एक बार इस फिल्म में महिलाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों को उठाया गया है। फिल्म 'शैतान' फेम जानकी बोड़ीवाला ने भी एक अहम किरदार इसमें निभाया है। फिल्म 'मर्दानी 3' में इस बार विलेन के तौर पर एक महिला नजर आई हैं। इस किरदार को मल्लिका प्रसाद निभा रही हैं। वह लड़कियों को गायब करने वाला गैंग चलाती हैं। फिल्म में उनका अंदाज काफी डरावना है, एक्टिंग भी इंप्रेस करता है।

भूमि ने 'दलदल' की रिलीज के दिन किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

भावुक नोट लिखा- 'खुद से दोबारा प्यार करना सीखने...'

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'दलदल' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज की स्ट्रीमिंग शुक्रवार से अमेजन प्राइम वीडियो पर शुरू हो चुकी है। इस सीरीज की रिलीज के पहले दिन भूमि ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के दर्शन किए और साथ ही एक भावुक नोट भी शेयर किया।

भूमि का पोस्ट

भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में भूमि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के दर्शन करती नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में भूमि लैपटॉप पर अपनी सीरीज 'दलदल' को देखकर मुस्कुराती हुई पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में सीरीज 'दलदल' के सभी साथी कलाकारों के साथ है। चौथी तस्वीर में भूमि अपनी इस सीरीज के क्लैपबोर्ड से अपने चेहरे को छूपाती नजर आ रही हैं।

बाकी की खास तस्वीरें

पांचवीं तस्वीर में एक कम्प्यूटर दिखाई दे रहा है, जिस पर 'दलदल' की स्क्रिप्ट स्क्रॉल होती नजर आ रही है। छठी तस्वीर में भूमि 'दलदल' के एक सीन में गंभीर रूप में दिखाई दे रही हैं। और उनके आगे टेबल पर नेम प्लेट पर 'रीटा फरेरा आईपीएस' लिखा नजर आ रहा है। सांतवीं तस्वीर में भूमि की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर नजर आ रही हैं, जिसमें उनके ईयररिंग्स काफी चमक रहे हैं। आठवीं तस्वीर में 'दलदल' सीरीज के दिन 65वें सूट की एक हार्ड कॉपी दिखाई दे रही है। नवां एक वीडियो है, जिसमें अमृतसर का स्वर्ण मंदिर चमचमाता दिखाई दे रहा है।

भूमि का भावुक नोट

भूमि ने इंस्टाग्राम पर अपनी आठ तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ भूमि ने कैप्शन में लिखा, 'पिछले साल सब्र और शुक्र ने मुझे खुद से मिलने को कहा। शक के साथ, खामोशी के साथ और उन सवालों के साथ, जिनके जवाब मेरे पास अभी तक नहीं थे। इसने मुझे डर को भूलने और धीरे-धीरे, नरमी से, खुद से फिर प्यार करना सिखाया।'

'आगे बढ़ने को लेकर...' - भूमि

भूमि ने आगे लिखा, 'सेट पर लंबे-लंबे दिनों में, सेट के बाहर के नाजुक लम्हों में, ब्रह्मांड से की गई दुआओं में और काम पर अटूट भरोसे के बीच, मैं आगे बढ़ती रही। इसलिए नहीं कि मैं बेखौफ थी, बल्कि इसलिए कि मेरा भरोसा अभी भी बाकी था। 'दलदल' उसी जगह से पैदा हुआ। कमजोरी से। भरोसे से। अनिश्चित रास्ते पर भी आगे बढ़ने का चुनाव करने से। आज, मैं यह रचना आभार, विनम्रता और खुले दिल से आपके सामने पेश कर रही हूं।'

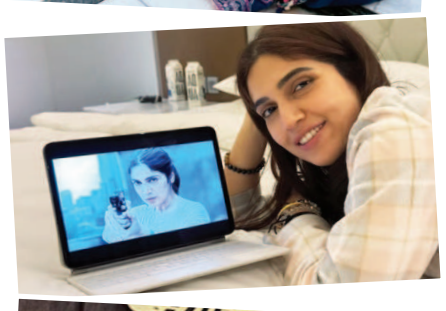

किस बारे में है सीरीज 'दलदल'

सख्त मिजाज और बेखौफ रीटा (भूमि पेडनेकर) को शहर में हो रही सिलसिलेवार हत्याओं के एक खौफनाक केस को सुलझाने की जिम्मेदारी दी जाती है, जिसमें वह खुद भी बुरी तरह उलझती चली जाती है। दरअसल, अपने बचपन के गहरे ट्रॉमा का बोझ उठाए रीटा अंदर से टूटी हुई है और खुद को संभालने के लिए नशे की लत से भी जूझ रही है।

'तू या मैं' में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने कॅरियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म 'तू या मैं' में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, 'आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी।' पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, 'मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है, बल्कि एक ऐसा इंसान है, जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।' पारुल ने कहा, 'लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है, क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी, जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।' आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, 'एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था। आनंद एल राय की फिल्में वही सिनेमा हैं, जिनकी ओर मैं हमेशा खिंचती रही हूं। यह एक ऐसा दुर्लभ मौका है, जो जिंदगी में कम ही मिलता है, जहां बड़ी स्क्रीन की भव्यता के साथ-साथ कहानी में दिल और भावना दोनों मौजूद हों।' पारुल गुलाटी ने फिल्म की पूरी टीम के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे लायरा जैसा मजबूत किरदार सौंपा। मेरे लिए एक अनोखी थ्रिलर और क्रिएचर यूनिवर्स का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत खुश, आभारी और उत्साहित हूं और चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर जरूर देखें।'

'सैयारा' फेम अहान पांडे ने एक्टर बनने से पहले चुने कई कॅरियर, आखिर में एक्टिंग की दुनिया में रखा कदम

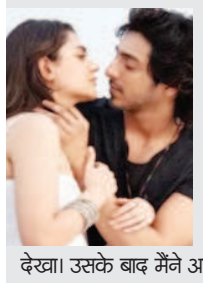

पिछले साल अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही है। अहान को भी खूब फेम मिला, लेकिन एक्टर बनने से पहले अहान ने एक नहीं कई कॅरियर अपने लिए चुने। आखिर में उन्होंने एक खास वजह से एक्टर बनने का फैसला किया। हाल ही ग्रेजिया से की गई बातचीत में अहान पांडे ने बताया कि उन्होंने एक्टर बनने से पहले कई कॅरियर चुने थे। वह कहते हैं, 'सोलह साल की उम्र में, मैंने डीजे का प्रोफेशनल ट्राई किया। फिर म्यूजिक प्रोडक्शन में हाथ आजमाया। मेरा एक ग्रुप था, जिसका नाम 'बेस ट्रैप' था। इसमें हमने कुछ ट्रैक रिलीज किए। फिर मैं वीडियो गेम डिजाइन में आया।' **फिल्मी दुनिया में इस तरह रखा कदम:** अहान पांडे आगे कहते हैं, 'आखिर में मैंने फिल्म सेट पर असिस्ट करना शुरू किया, क्योंकि कहानी कहने का पैशन मेरे अंदर कहीं छुपा था। मैंने फिल्म सेट पर सब कुछ चुपचाप देखा। उसके बाद मैंने अपना पहला फिल्म ऑडिशन भी दिया। तब मुझे पता चला कि सही लोगों के सामने परफॉर्म करना कैसा लगता है? यहीं से मैंने तय किया कि मैं इसी एक चीज पर टिका रहूंगा। मजे की बात यह है कि इतनी सारी चीजें करने की चाहत ने मुझे सिखाया कि एक्टिंग क्यों परफेक्ट है। मुझे उन सभी चीजों को करने का मौका एक्टिंग में ही मिल जाता है।'

सोनम बाजवा ने सादगी से फैंस का जीता दिल, बोलीं- 'मेरी जिंदगी परफेक्ट नहीं, ईश्वर की कृपा है'

पंजाबी सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने पोस्ट के जरिए फैंस दिलों में राज करती हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को फैंस को एक खास संदेश दिया। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने इंस्टाग्राम पर कुछ ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेत्री की यह तस्वीरें काफी सादगी भरी और प्रभावशाली लग रही हैं, जो उनकी पर्सनैलिटी को गहराई से दर्शाती हैं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने फैंस को बताया है कि वे जिंदगी को परफेक्ट दिखाने की कोशिश कभी नहीं करतीं, बल्कि वे यह दिखाना चाहती हैं कि ईश्वर की कृपा से गुजर जाती हैं। वहीं, अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 'मैं कभी ऐसा न दिखूं कि मेरी जिंदगी बिल्कुल परफेक्ट है, बल्कि हमेशा यह दिखे कि ऊपर वाले ने मुझे अपने अनुग्रह से संभाला है। कमेंट सेक्शन में फैंस अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं। वे उनकी इस बात को सच्ची और इंस्पायरिंग बता रहे हैं। फिलहाल अभिनेत्री अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेत्री की फिल्म 'बॉर्डर 2' रिलीज हुई। फिल्म को 23 जनवरी को रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। 1997 की 'बॉर्डर' की अगली कड़ी में सोनम के अलावा, सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, आन्या, मेधा राणा, मोना सिंह और अहान शेट्टी जैसे सितारे मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 295 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में कहानी को मजबूत तरीके से दिखाया गया है, जिसकी वजह से यह दर्शकों के दिलों को छू रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म का आखिरी पार्ट देखना लाजवाब है, क्योंकि उसमें 1997 की बॉर्डर के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है। 'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं।

'अब सहेंगे नहीं लड़ेंगे...', रिलीज हुआ 'द केरल स्टोरी 2' का दमदार टीजर, देखकर खड़े हो जाएंगे रोंगटे

विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' का

दमदार टीजर रिलीज हो गया है। यह 2023 में आई 'द केरल स्टोरी' का सीक्वल है। साथ ही निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। 'आंखें', 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग', 'फोर्स', 'कमांडो: ए वन मैन आर्मी', 'हॉलिडे: ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी' जैसी कई फिल्मों के बाद अब विपुल अमृतलाल शाह 'द केरल स्टोरी 2' लेकर आ रहे हैं। डर, गुस्सा, साहस और सच्चाई से भरे इस टीजर को देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' का टीजर काफी गंभीर है। यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की दर्दनाक कहानी सामने लाती है, जिनका किरदार उत्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता कमाख्या नारायण सिंह ने किया है। फिल्म में दिखाया गया है कि तीन मुस्लिम लड़कों से प्यार करने के बाद उनकी जिंदगी कैसे एक खौफनाक मोड़ लेती है, जहां धीरे-धीरे एक सोची-समझी साजिश का खुलासा होता है, जो जल्द ही प्यार की जगह फंसाए जाने की डरावनी कहानी बन जाती है। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर 'द केरल स्टोरी 2' की टीजर रिलीज किया है। टीजर में साफ दिखाया गया है कि लड़कियां अब सिर्फ अंजाम नहीं झेलेंगी, बल्कि उसका जवाब भी देंगी। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के टीजर के साथ निर्माताओं ने लिखा, अब सहेंगे नहीं... लड़ेंगे, हमारी बेटियां प्यार में नहीं पड़तीं, जाल में फंस जाती हैं।'

तीसरी बार भाजपा सरकार बनी तो असम से एक-एक घुसपैठिया बाहर जाएगा : अमित शाह

एजेंसी

डिब्रूगढ़ (असम)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को डिब्रूगढ़ में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार असम में सत्ता में आती है, तो राज्य से एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा। अपने संबोधन में अमित शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने केवल अपने वोट बैंक की राजनीति के लिए असम को बांग्लादेशी घुसपैठियों की चरागाह बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान काजीरंगा जैसे संरक्षित क्षेत्रों और गुरुजन की पवित्र भूमि तक पर अवैध कब्जेदारों को बसने का साहस मिला। गृह मंत्री ने कहा कि असम की जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव को रोकने के लिए भाजपा को दोबारा सत्ता में लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने डिब्रूगढ़ में दूसरी राजधानी के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना की और असम की जनता की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया। असम की चाय को लेकर अमित शाह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम की चाय को पेरिस से लेकर बर्लिन तक वैश्विक पहचान दिलाई है।

मप्र के ग्वालियर में ट्रक की टक्कर से कार सवार चार लोगों की मौत

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के महाराजपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के बीच एक तेज रफ्तार ट्रक ने वैगनआर कार को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा निवासी मेहगांव (भिंड), ज्योति यादव (भिंड), भूरे प्रजापति (गोरमी) भिंड और उमा राठौर पत्नी पति राम राठौर, निवासी मोरोली भिंड के रूप में हुई है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया, ताकि यातायात बहाल हो सके। महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने बताया कि हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। सुबह ग्वालियर में दृश्यता 200 से 500 मीटर तक थी। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह

घना कोहरा और तेज रफ्तार बताई जा रही है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। हादसे में कार चालक मेहगांव निवासी सौरभ शर्मा की मौत हुई है। सौरभ बीएससी एग्रीकल्चर का पेपर देने आगरा जा रहा था। कार उसके भाई की थी। रास्ते में उसे ग्वालियर के लिए सवारी मिल गई, जिनकी हादसे में मौत हो गई। ज्योति की बहन नीलम यादव ने बताया कि हमें सुबह सूचना मिली थी कि मालनपुर में हादसा हुआ है। कार में मेरी बहन भी आ रही थी। उसे मथुरा जाना था, इसलिए वह गोरमी से निकली थी। सौरभ के भाई अंकित ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे सौरभ घर से निकला था। उसकी उम्र 24 साल थी।

पुलिस के अनुसार

कार मेहगांव से ग्वालियर की ओर आ रही थी। सुबह करीब आठ बजे ग्वालियरङ्कभिंड मुख्य मार्ग पर बंटू ढाबा के सामने कार को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने चारों शवों को कार से बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। सभी मृतक भिंड जिले के रहने वाले थे।

प्राथमिकी मामले में पंजाब सरकार के रवैए पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी के वीडियो और एफआईआर मामले पर पंजाब सरकार के रवैये पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुप्ता ने कहा कि अब तक जिस प्रकार से संबंधित फाइल को रोके रखा गया है, उससे कई गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। पंजाब सरकार ने न तो अब तक एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराई और न ही शिकायत की कॉपी ही सौंपी है और यहां तक कि जांच से संबंधित कोई आधिकारिक रिपोर्ट भी सार्वजनिक नहीं की गयी है। यह स्थिति पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस मामले में जिस तरह की चुप्पी और टालमटोल देखने को मिल रही है, उससे यह प्रतीत होता है कि कुछ तथ्यों को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकरण के तार सीधे तौर पर पंजाब के मुख्यमंत्री तक जुड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो इस मामले की गंभीरता को और बढ़ा देता है। लोकतंत्र में जवाबदेही सर्वोपरि है और किसी भी सरकार को इससे बचने का अधिकार नहीं है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा इस विषय को किसी भी रूप में हल्के में नहीं लेगी। यह मामला केवल प्रशासनिक या राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह हमारे गुरुओं के सम्मान और आस्था से जुड़ा हुआ है।

वडोदरा : नेशनल हाईवे-48 पर सड़क हादसे में दो यात्री की मौत, 10 से अधिक घायल

एजेंसी

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले के करजण क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-48 पर आज तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ।

हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 10 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में से पांच से अधिक को सयाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस का कंडक्टर भी गंभीर रूप से घायल है और उसे भी एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5-5:30 बजे हुआ। औरंगाबाद से अहमदाबाद जा रही जय खोडियार ट्रैवल्स की लग्जरी बस करजण धावट चौकड़ी के पास स्थित ब्रिज पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही करजण फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। स्थिति

इतनी गंभीर थी कि फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बस के भीतर जाकर स्ट्रेचर जैसी व्यवस्था बनाकर शवों को बाहर निकाला। हादसे के समय बस में 65 से 70 यात्री सवार थे। कई यात्री खून से लथपथ हालत में सड़क पर बैठे नजर आए। मृतकों की पहचान हिम्मतभाई सुखाभाई देवीपूजक (उम्र 50 वर्ष, निवासी लीलापुर गांव, जसोदन, राजकोट) और मोहम्मद रफीक शेख (उम्र 39 वर्ष, निवासी रोनक पार्क डुप्लेक्स, शाहआलम, अहमदाबाद) के रूप में हुई है। घायल दिलावरभाई ने बताया कि वे महाराष्ट्र राज्य के पुणे शहर में स्थित खड़की सीमा से बस में बैठे थे और अहमदाबाद में रिश्तेदार की शादी में जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। वहीं, बस में सवार इरफानभाई ने बताया कि वे अपने निजी काम से महाराष्ट्र से लौट रहे थे।

बस में सवार कई यात्रियों ने बताया कि हादसे के बाद कुछ यात्रियों ने ऊपर की खिड़की से कूदकर जान बचाई, जबकि कुछ को डिक्की की खिड़की तोड़कर निकाला गया।

कुवैत-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद में की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। कुवैत से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतियातन अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। इस फ्लाइट में सवार सभी 180 यात्री सुरक्षि- त हैं। हालांकि, एयरलाइन की ओर से काई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह कुवैत से दिल्ली आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई।

धमकी की जानकारी टिशू पेपर पर लिखे एक नोट पर मिली। इसमें फ्लाइट को हाईजैक कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि इंडिगो का यह विमान सुबह करीब 6.40 बजे 180 यात्रियों के साथ सुरक्षित उतर गया। फिलहाल पूरे विमान की जांच की जा रही है।

कर्नाटक शराब घोटाले को लेकर भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक शराब घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक की सरकार ने उसे मिले जनादेश के साथ धोखा किया है। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कर्नाटक वाइन मर्चेंट एसोसिएशन ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर शराब घोटाले का आरोप लगाया है।

यह आरोप विपक्षी भाजपा ने नहीं बल्कि कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने सरकार पर लगाए हैं। एसोसिएशन के मुताबिक रेस्टोरेंट और होटलों को शराब लाइसेंस आवंटन के दौरान विभागों तक पैसा पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने 6,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले का आरोप

कांग्रेस सरकार पर लगाया है। इस संगठन की तरफ से विस्तार से बताया गया है कि रेस्टोरेंट से लेकर होटलों तक, किस प्रकार एलॉटमेंट के नाम पर सरकार के विभिन्न स्तरों पर बैठे मंत्रियों और अन्य लोगों तक भ्रष्टाचार का पैसा जाता था। कांग्रेस के विधायक ईडी ऑनलाइन मनी लॉन्डरिंग के मामले में आरोपित हुए हैं। कर्नाटक की जनता ने जनादेश दिया था, उसके साथ बहुत बड़ा धोखा और छल किया गया है।

रेल मंत्रालय के सहयोग से उर्वरक आपूर्ति को मिली नई गति

एजेंसी

नई दिल्ली। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। इसी दिशा में खरीफ और रबी 2025 के दौरान रेल मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग के बीच बेहतर तालमेल का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर देखने को मिला है। उर्वरक रेकों की तेज और सुचारु आवाजाही के कारण राज्यों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की गई, जिससे खेती के महत्वपूर्ण दौर में किसानों को किसी प्रकार की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को जारी की गई जानकारी में कहा कि रेल मंत्रालय के सहयोग से देश के हर कोने तक पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंचाने में सफलता मिली है। विभाग का मानना है कि इस अभूतपूर्व समन्वय से खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत सरकार का संकल्प और मजबूत हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई

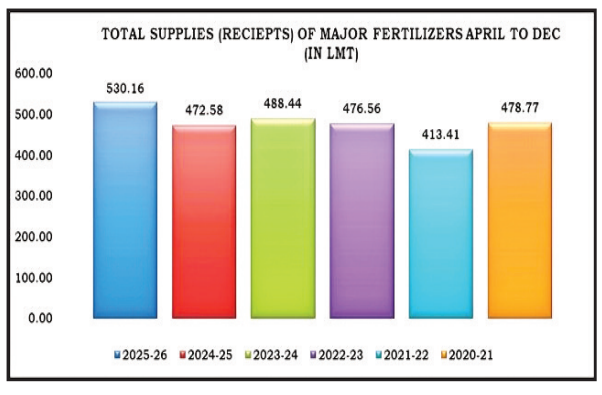

2025 में प्रतिदिन औसतन 72 उर्वरक रेक लोड किए गए, जो अगस्त में बढ़कर 78 और सितंबर में 80 रेक प्रतिदिन तक पहुंच गए। यह पिछले पांच खरीफ सत्रों में अब तक का सर्वोच्च स्तर रहा। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अप्रैल से दिसंबर 2025 तक देश के सभी राज्यों में प्रमुख उर्वरकों की पर्याप्त और संतोषजनक उपलब्धता सुनिश्चित की गई। यूरिया के लिए 312.40 लाख मीट्रिक टन की अनुमानित आवश्यकता के मुकाबले 350.45 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता कराई गई। इसी तरह प्रमुख पीएंडके उर्वरकों जैसे डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की 252.81 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 287.69 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। उर्वरकों की ढुलाई में भी उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच कुल 530.16 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों की आपूर्ति की गई, जो पहली बार 500 लाख मीट्रिक टन के आंकड़े को पार कर गई। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान अवधि (472.58 लाख मीट्रिक टन) की तुलना में 12.2 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2023-24 के पूर्व रिकॉर्ड से 8.5 प्रतिशत ज्यादा है। इस अवधि में यूरिया के लिए कुल 10,841 रेक का संचालन किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत अधिक है। वहीं पीएंडके उर्वरकों के लिए 8,806 रेक चलाए गए, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में करीब 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। जुलाई से जनवरी (13 जनवरी तक) की माहवार तुलना से यह स्पष्ट होता है कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उर्वरक रेकों की आवाजाही में निरंतर और स्थायी वृद्धि दर्ज की गई है। रेल मंत्रालय, बंदरगाहों, राज्य सरकारों और उर्वरक कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय, समय पर योजना और लगातार निगरानी के चलते यह सुधार संभव हो सका।

मनरेगा की बहाली तक जारी रहेगा आंदोलनः कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की पुनर्बहाली की मांग को लेकर शुक्रवार को यहां अकबर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय से गांधी स्मृति तक विरोध मार्च निकाला। पार्टी नेताओं ने ऐलान किया कि जब तक सरकार मनरेगा को बहाल नहीं करती, तब तक उनका यह आंदोलन जारी रहेगा।कांग्रेस के ÷मनरेगा बचाओ संग्राम÷ आंदोलन के तहत आयोजित इस प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने उस मनरेगा को खत्म किया है जो पंचायतों को सशक्त करने और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिए सीधे पैसा पहुंचाने का जरिया था।उन्होंने कहा कि मनरेगा ऐतिहासिक और क्रांतिकारी अधिनियम था जो सितंबर 2005 को सर्वसम्मति से पारित हुआ था। इसको बनाने में पूर्व

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी का महत्वपूर्ण योगदान था। मनरेगा कानून संवैधानिक हक था, लोगों के पास रोजगार की कानूनी गारंटी थी। इस कानून से पंचायतें मजबूत हुईं। हर परिवार को पहली बार डीबीटी के माध्यम से पैसा पहुंचाया गया लेकिन ये कानून रद्द कर दिया गया, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं चाहते हैं कि महात्मा गांजी से जुड़ा हुआ ये कानून ज्यादा समय तक चले। वो नहीं चाहते हैं कि लोगों को उनका हक मिले।दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीबों के रोजगार और सम्मान की गारंटी है। कांग्रेस शासन में गरीबों को अपने गांव में रहकर इज्जत की रोटी कमाने का हक मिला था, जिससे ग्रामीण भारत का विकास हुआ लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस व्यवस्था को चोट पहुंचाई। यह लड़ाई हर उस किसान और मजदूर की है जिसका हक छीना जा रहा है।कांग्रेस के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जो सरकार देश के अन्नदाता और श्रमशक्ति का अपमान करती है वो सत्ता में ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकती। कांग्रेस ने एलान किया कि जब तक सरकार मनरेगा को बहाल नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा।उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत- रोज़गार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबीङ्कजी राम जी कानून लागू किया है, जिसमें सालभर में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गयी है, जबकि मनरेगा में सिर्फ 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में चार माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के किस्टाराम एरिया कमेटी में सक्रिय 8 लाख रुपये के इनामी चार माओवादी कैडरो ने शुक्रवार को ऑटोमैटिक हथियार पुलिस अधिकारियों को सौंप कर आत्मसमर्पण किया है। इनमें दो महिला नक्सली शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा पुलिस एवं आंध्र प्रदेश के अल्लूरि सीताराम राजू जिला पुलिस के संयुक्त प्रयासों से ÷पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन÷ अभियान के अंतर्गत बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम, पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण, पंकज मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अल्लूरि सीताराम राजू (आंध्रप्रदेश), रोहित शाह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुकमा, 2ढूसी कोंटा रेंज सीआरपीएफ अरविंद पी. आनंद के समक्ष दक्षिण बस्तर डिविजन अंतर्गत कोंटा किस्टाराम एरिया कमेटी में सक्रिय कुल 8 लाख रुपये के इनामी चार माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है।

चिट फंड घोटालाः सीबीआई ने फरार आरोपित तन्मय मिर्धा को किया गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चिट फंड घोटाले से जुड़े एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित तन्मय मिर्धा को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने गुरुवार को गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि यह मामला 23 जून 2020 को उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद पश्चिम बंगाल और ओडिशा में चिट फंड से संबंधित मामलों की जांच के लिए दर्ज किया गया था।

सीबीआई के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित एक्सप्रेस कल्टीवेशन लिमिटेड, कोलकाता का निदेशक है। उस पर आरोप है कि उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर निवेश पर अधिक मुनाफे का लालच देकर आम लोगों से लगभग 2.10 करोड़ रुपये एकत्र किए और बाद में इस धन का

दुरुपयोग किया। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने 4 फरवरी 2022 को इस मामले में आरोप पत्र दाखिल किया था। हालांकि, आरोपित जांच में शामिल नहीं हुआ और लगातार फरार बना रहा, जिसके बाद उसे भगोड़ा घोषित किया गया। इसके पश्चात कोलकाता के अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट की अदालत ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। सीबीआई ने बताया कि लगातार निगरानी, तकनीकी इनपुट और खुफिया सूचनाओं के आधार पर 29 जनवरी को आरोपित को पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के ब्रह्मनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपित को आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत संबंधित अदालत में पेश किया गया है। सीबीआई अब उससे पूछताछ कर उसके अन्य सहयोगियों और चिट फंड नेटवर्क से जुड़े पहलुओं की जानकारी जुटाने में लगी है।

कोलकाता गोदाम अग्निकांडः मृतकों की संख्या बढ़कर 25, एनएचआरसी ने लिया स्वतः संज्ञान

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके आनंदपुर स्थित गोदाम में हुए भीषण अग्निकांड में मृतकों की संख्या शुक्रवार तक बढ़कर 25 हो गई है। इस घटना को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए संबंधित जिला मजिस्ट्रेट को शीघ्र कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) सौंपने का निर्देश दिया है। एनएचआरसी ने यह कार्रवाई वाओ मोमो फैक्ट्री से जुड़ी कथित गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों की शिकायत के आधार पर की है। आयोग ने पत्र में कहा कि इस हादसे के लिए संबंधित कंपनी प्रबंधन की आपराधिक लापरवाही जिम्मेदार ठहराई गई है। साथ ही, राज्य अग्निशमन सेवा, श्रम विभाग, शहरी नियोजन प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन की नियामकीय विफलताओं का भी उल्लेख किया गया है।

एनएचआरसी ने अपने पत्र में कारखाना अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के गंभीर उल्लंघन की ओर भी इशारा किया है। पत्र में कहा गया है, ÷शिकायत में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन की ओर संकेत करते हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के सूत्रों के अनुसार, अभी भी कई लोगों के लापता होने की सूचना है, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने शुक्रवार दोपहर आनंदपुर इलाके में एक विरोध रैली का आयोजन किया। शुरुआत में पुलिस ने रैली की अनुमति देने से इनकार किया था, लेकिन बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिल गई। हालांकि अदालत ने रैली के आयोजन पर कुछ शर्तें भी लगाई हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com